सेंसेक्स	~	81,018.72
निफ्टी	~	24,722.75
सोना	~	1,01,400
चांदी	~	113000
डॉलर	~	87.76

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 05 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 311
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

बिहार में नए मुख्य सचिव की नियुक्ति

पटना। बिहार सरकार ने प्रदेश में होने वाले चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। अमृत लाल मीणा की जगह प्रत्यय अमृत नए मुख्य सचिव बनाए गए हैं। सरकार ने इसको लेकर 27 दिन पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है।

बिहार सरकार ने वर्तमान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के रिटायरमेंट से पहले ही नए मुख्य सचिव की नियुक्ति कर दी है। 1991 बैच के प्रशासनिक अधिकारी प्रत्यय अमृत 1 सितंबर 2025 से नए मुख्य सचिव का पदभार संभालेंगे।

बीआरएस नेता के कविता 72 घंटे की भूख हड़ताल पर

हैदराबाद। बीआरएस पार्टी की एमएलसी के कविता ने सोमवार को हैदराबाद के धरना चौक पर 72 घंटे का भूख हड़ताल शुरू किया। उनकी मांग है कि तेलंगाना ओबीसी आरक्षण बिल, जो सरकारी नौकरियों, शिक्षा और स्थानीय निकाय चुनावों में 42 प्रतिशत कोटा देता है, को तुरंत मंजूरी दी जाए। कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीजेपी दोनों तेलंगाना के ओबीसी समुदायों के साथ छल कर रही हैं। उनका कहना है कि बिल राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए लंबित है, वहीं एक अध्यादेश (ऑर्डिनेंस) राज्यपाल के पास अटका हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव में 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया था, लेकिन अब तक स्पष्ट नहीं किया कि इसमें मुसलमान शामिल हैं या नहीं। वहीं बीजेपी कह रही है कि अगर ओबीसी में मुसलमान होंगे तो वह समर्थन नहीं करेगी।

सारा तेंदुलकर बनीं ऑस्ट्रेलिया के 13 करोड़ डॉलर के पर्यटन अभियान की ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक नए पर्यटन अभियान की घोषणा की है, जिसका नाम है कम एंड से जी-डे। इस 13 करोड़ डॉलर (करीब 1080 करोड़) के अभियान के लिए, महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा को भारत के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।

यह अभियान, जो 7 अगस्त को चीन से शुरू होगा, पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां बिताने और अपने यात्रा की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। चीन के बाद, इस इस साल के अंत तक भारत, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में लांच किया जाएगा। कम एंड से जी-डे अभियान का यह दूसरा चरण है, जिसका पहला चरण अक्टूबर 2022 में शुरू किया गया था। यह अभियान अगले दो साल तक चलेगा, और इसके पूरा होने तक ऑस्ट्रेलियाई सरकार इसमें कुल 25 करोड़ (करीब 2080 करोड़) का निवेश कर चुकी होगी।

अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसा नहीं कहेंगे...

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत, मानहानि मामले पर फिलहाल रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए पूछा कि आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी जमीन पर कब्जा कर लिया है? विश्वसनीय जानकारी क्या है? अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते।कोर्ट ने कहा कि जब सीमा पार संघर्ष चल रहा हो, तो क्या आप ये सब कह सकते हैं? आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? आप (राहुल गांधी) विपक्ष के नेता हैं, संसद में बोलें, सोशल मीडिया पर नहीं बोलें। हालांकि, कोर्ट ने राहुल गांधी को सेना पर टिप्पणी मामले में राहत दी है। राहुल गांधी की समन के खिलाफ याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। राहुल गांधी ने 2022 में लद्दाख दौरे पर कारगिल में रैली की थी। वहां उन्होंने दावा किया था कि चीन ने भारत की हजारों किमी जमीन पर कब्जा किया है। इस पर लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) बीडी मिश्रा ने कहा था कि चीन का भारत की एक वर्ग इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं है। उन्होंने कहा था कि 1962 (भारत-चीन युद्ध) में जो कुछ भी हुआ, उस पर बात करने से कोई फायदा नहीं। आज सीमा की आखिरी इंच जमीन भी हमारे कब्जे में है। भगवान न करे अगर हालात बिगड़े तो सेना मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है।

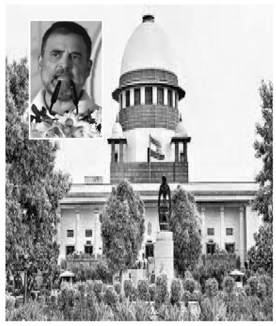

चीन ने हमारी 4 हजार वर्ग किमी जमीन कब्जाई

3 अप्रैल को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिस्री) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल ने कहा था कि हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है और यह भी हमें दूसरों से पता चल रहा है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिट्ठी लिखी गई।

हर भारतीय ने चीन पर सरकार से जवाब मांगा

भारतीय सेना और चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगने के बाद कांग्रेस ने सफाई दी है। कांग्रेस ने कहा कि 2020 की गलवां घटना के बाद से हर देशभक्त भारतीय सरकार से चीन पर जवाब मांग रहा है। लेकिन मोदी सरकार ने अपनी डीडीएलजे - इनकार, ध्यान भटकाना, झूठ बोलना और उचित ठहराना नीति के साथ सच्चाई को धुंधलाने और छिपाने का विकल्प चुना है। कांग्रेस ने आरोप

लगाया कि मोदी सरकार 1962 के बाद से भारत को मिले सबसे बड़े क्षेत्रीय झटके के लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस ने सरकार पर अपनी कायरता और गलत आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण शत्रुतापूर्ण चीन के साथ सामान्यीकरण करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 15 जून 2020 को गलवां में 20 बहादुर सैनिकों के शहीद होने के बाद से हर देशभक्त भारतीय जवाब मांग रहा है। फिर भी जवाब देने के बजाय मोदी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में डीडीएलजे - इनकार, ध्यान भटकाना, झूठ बोलना और उचित ठहराना की नीति के साथ सच्चाई को धुंधलाने और छिपाने का विकल्प चुना है। एक्स पर एक पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 19 जून 2020 को हमारे सैनिकों द्वारा गलवां में देश के लिए वीरतापूर्वक अपने प्राणों की आहुति देने के केवल चार दिन बाद न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है कहकर चीन को क्लीन चिट क्यों दे दी? उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि हम अप्रैल 2020 की यथास्थिति पर वापस जाना चाहते हैं। क्या 21 अक्तूबर 2024 का वापसी समझौता हमें यथास्थिति पर वापस ले जाता है?

गुरुजी अब नहीं रहे...

झामुमो संरक्षक शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक, सीएम हेमंत सोरेन से की बात

रांची/नई दिल्ली। झारखंड की राजनीति के पितामह और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन का सोमवार सुबह दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे और लंबे समय से किडनी संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर पिता के निधन की पुष्टि करते हुए लिखा, 'आज मैं शून्य हो गया हूं... गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए।'

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता के निधन की पुष्टि करते हुए भावुक शब्दों में लिखा — आज मैं शून्य हो गया हूं... गुरु जी हम सभी को छोड़कर चले गए। राज्य में शोक की लहर फैल गई है। मुख्यमंत्री निवास और झामुमो कार्यालय पर झंडे झुका दिए गए हैं। पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित थे। उनका निधन दुखद है। हेमंत सोरेन से फोन पर बात की और संवेदना प्रकट की।

आदिवासी राजनीति के पुरोधा

11 जनवरी 1944 को तत्कालीन बिहार के हजारीबाग जिले में जन्मे शिबू सोरेन को झारखंड में 'दिशोम गुरु' और 'गुरुजी' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की और आदिवासियों के अधिकार, भूमि-सुरक्षा और सामाजिक न्याय के लिए लंबा संघर्ष किया। उन्होंने 1980 से 2014 तक 8 बार लोकसभा, तीन बार राज्यसभा, और तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी। वह तीन बार केंद्र सरकार में कोयला मंत्री भी रहे। हालांकि मुख्यमंत्री के तौर पर उनका कोई भी कार्यकाल पूर्ण नहीं रहा, फिर भी उनका प्रभावपूर्ण नेतृत्व झारखंड की राजनीति की दिशा तय करता रहा।

जम्मू-कश्मीर को आज मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा!

नई दिल्ली । क्या 5 अगस्त को फिर कुछ बड़ा होने जा रहा है? क्या मोदी सरकार जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने जा रही है? दरअसल रविवार को पीएम मोदी और अमित शाह दोनों ही ने राष्ट्रपति मुर्मू से अलग-अलग मुलाकात की थी। मंगलवार को 5 अगस्त है। 5 अगस्त 2019 को ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को रद्द करके जम्मू कश्मीर और लद्दाख को अलग अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। वहीं कम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल का कार्यकाल भी खत्म होने वाला है। ऐसे में अमित शाह और राष्ट्रपति के बीच हुई मुलाकात ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। एक बड़ी वजह यह है कि ऐसी मुलाकातें आमतौर पर तो बिल्कुल नहीं होती हैं। एक ही दिन और कुछ घंटे के अंतर से इन दोनों नेताओं का राष्ट्रपति से मिलना सामान्य नहीं है। सवाल उठता है कि क्या सरकार संसद में कोई बड़ा बिल लाने वाली है, जिसे लेकर राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री पहुंचे हों। यही कारण है कि बहुत से कयास लगाए जा रहे हैं।

बांके बिहारी प्रबंधन कमेटी से सुप्रीम कोर्ट ने पूछे तीखे सवाल, कहा...

भगवान सबके...आप क्यों चाहते हैं फंड आपकी पॉकेट में जाए?

मथुरा। बांके बिहारी कॉरिडोर मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर कमेटी से तीखे सवाल किए। कोर्ट ने पूछा- मंदिर निजी हो सकता है, लेकिन देवता सबके हैं, वहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। मंदिर का फंड श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े विकास में क्यों नहीं इस्तेमाल हो सकता? आप क्यों चाहते हैं कि सारा फंड आपके पॉकेट में ही जाए? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच सुनवाई कर रही थी। उन्होंने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के कानून को हाईकोर्ट में चुनौती देनी चाहिए। कोर्ट की ये टिप्पणी मंदिर मैनेजमेंट कमेटी ने मंदिर के प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार के अध्यादेश का विरोध करते हुए दाखिल याचिका पर आया है।

कमेटी ने 15 मई को आए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी विरोध किया, जिसमें राज्य सरकार को बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए मंदिर के फंड के इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट के सख्त सवालों के जवाब में याचिकाकर्ता के वकील श्याम दीवान ने कहा कि असल बात यह है कि हमें सुने बिना ऐसा आदेश सुप्रीम कोर्ट से कैसे आया? जबकि मामला कुछ और था, उसमें अचानक आदेश आ गया कि मंदिर का फंड कॉरिडोर बनाने के लिए लिया जाए। इससे सहमति जताते हुए कहा कि किसी जगह का विकास सरकार की जिम्मेदारी है। अगर उसे भूमि अधिग्रहण करना या तो वह ऐसा अपने पैसों से कर सकती है। दरअसल, याचिकाकर्ता की तरफ से वकील श्याम दीवान ने कोर्ट में कहा था कि बांके बिहारी मंदिर एक निजी मंदिर है। उसमें धार्मिक गतिविधियों और मैनेजमेंट को लेकर 2 गुटों में विवाद था। राज्य सरकार ने बिना अधिकार उसमें दखल दिया। वह मामले को सुप्रीम कोर्ट ले आई और कॉरिडोर के लिए मंदिर के फंड के इस्तेमाल का आदेश ले लिया। इसके बाद जल्दी-जल्दी एक अध्यादेश भी जारी कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि मंदिर की स्थापना करने वाले और सदियों से उसे संभाल रहे गोस्वामी प्रबंधन से बाहर हो गए। इस पर ही कोर्ट ने नाराजगी दिखाते हुए सख्त टिप्पणी की।

संसद का मानसून सत्र

एसआईआर को लेकर लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा, कार्रवाई कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के जोरदार हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चर्चा की मांग रखी और सुनवाई होती नहीं देख जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक के लिए और फिर कल मंलगलवार 11 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

यहां राज्यसभा में सोमवार सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उच्च सदन में मौजूद सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। यहां बताते चलें कि उच्च सदन में आज गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव पेश करने वाले थे। यह प्रस्ताव लोकसभा में 30 जुलाई को मंजूर किया जा चुका है। इस प्रकार संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामें के चलते पहले 2 बजे तक के लिए फिर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस प्रकार 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र की संसदीय कार्यवाही लगातार हंगामें की भेंट चढ़ती रही है। इस दौरान, महज 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दरअसल इन दोनों ही दिनों में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा की गई थी।

कुछ ना कहना

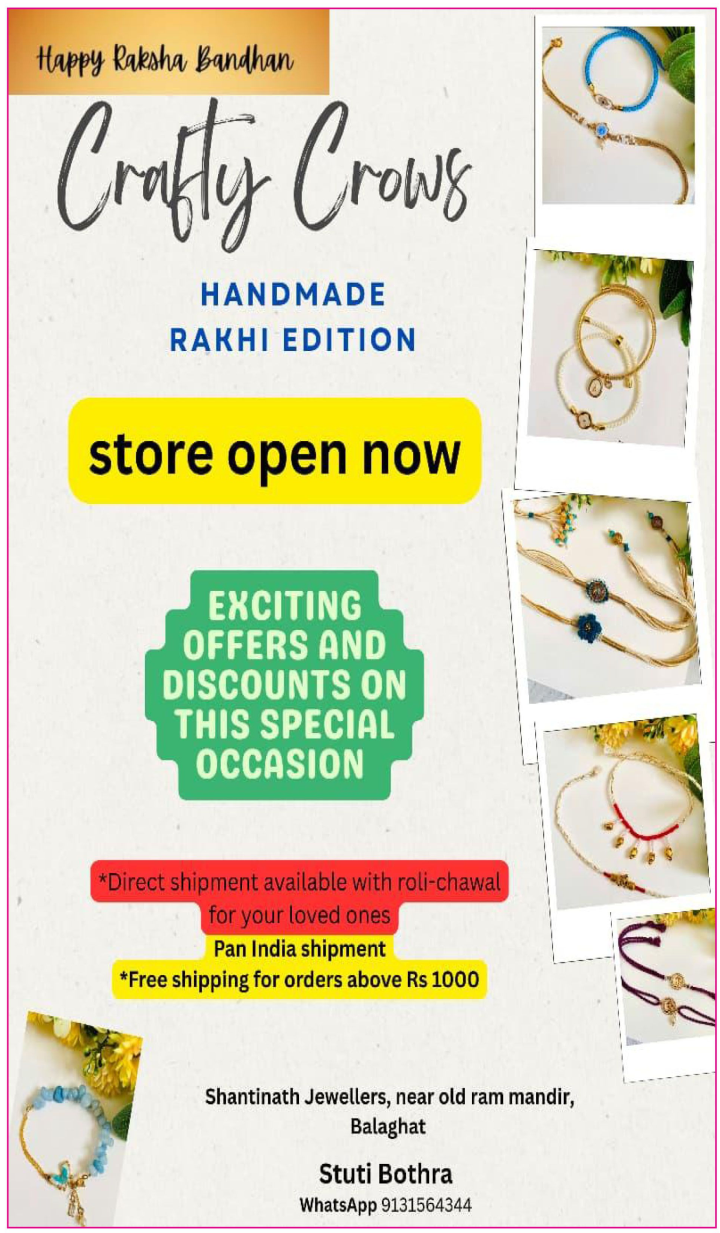

चौथे सावन सोमवार को बम बम भोले से गुंजे शिवालय

शिव भक्तों ने भक्ति भाव से की पूजा-अर्चना, भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में चौथे सावन सोमवार पर नगर सहित जिले के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के चौथे सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

शिव साईं मन्दिर से निकाली गई बाबा की सवारी

सावन मास के अंतिम सोमवार को स्थानीय शिव साईं मंदिर बालाघाट से बाबा महाकाल की सवारी भगवान नर्मदेश्वर के विग्रह स्वरूप में निकाली गई ।जहां भगवान नर्मदेश्वर के विग्रह को कांवड यात्रा के साथ पवित्र वैनगंगा में स्नान कराने के बाद मंदिर परिसर में पूजन , सामुहिक आरती का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया।ज्ञात हो कि यह विग्रह स्वरूप लगभग 250 वर्षों से इस मंदिर में विराजमान हैं।जहां शाम 6 बजे शिव महाआरती का आयोजन किया गया ,जिसमें राधे मंडल की बहनो के साथ साथ कमलेश हिण्डौल, लक्ष्मीकांत गोधे, सतीश चौरसिया, संदीप पंडेल, नीरज सोनी, गोल्डी असाटी आदि भक्तों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।सभी ने भगवान भोलेनाथ से सबके मन-मंदिर में विराजमान होने की प्रार्थना की ।

शिवालयों में गूंजती रही, हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के चौथे सोमवार को नगर के तमाम शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंग का दूध,और जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगं को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया। जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप,और रुद्राभिषेक किया गया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

चिनी कुण्ड से जल लेकर सावरझोडी पहुंची कांवड़ यात्रा

सावन का महीना चल रहा है.हर साल सावन के महीने में लाखों शिव भक्त जल लाने के लिए तीर्थ स्थलों से पैदल यात्रा करते हैं. इस जल को वे क्षेत्र में स्थित शिव मंदिर में जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं, सावन के महीने में भगवान शिव के भक्तों की ओर से अलग-अलग और अनोखी कांवड़ यात्रा लेकर बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाया जा रहा है,इसी कड़ी में परसवाड़ा क्षेत्र के चिनी, चकटोला,और कुरेन्डा के शिव भक्तों ने चिनी छोटी सावरझोडी महाकुण्ड से जल लेकर लगभग पन्द्रह किलोमीटर पैदल कांवड़ यात्रा कर बड़ी सावरझोडी शिव कुण्ड सावरझोडी में स्थित बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाया गया, इस दौरान शिव भक्तों में उत्साह देखा गया कांवड़ यात्रा में महिला, पुरूष,और बच्चों सहित सैकड़ों शिव भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कांवड़ यात्रा के चलते सड़कों पर बम भोले के जयकारो की गुंज रही।वही कबीर चौंक परसवाडा में शिव भक्तों द्वारा कांवड़ियों का स्वागत कर फल वितरित किया गया। इसी कड़ी में कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। और कांवड़ियों ने सावरझोडी पहुंच कर बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाकर पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की।

शिवालयों में नजर आई सुरक्षा व्यवस्था

सावन माह के चौथे सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

अवैध शराब सहित ग्राम में अवैध गतिविधियों को रोकने किरनापुर क्षेत्र के ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।किरनापुर क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, यहां उन्होंने ग्राम में अवैध शराब सहित अवैध गतिविधियों को तत्काल बंद किए जाने के संबंध में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा । आपको बता दे की 4 अगस्त को किरनापुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिहोरा के कुछ ग्रामीणों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया हैं । जिसमें ग्राम सिहोरा से पहुंची पुस्तकला उके और प्रीति मुहारे द्वारा बताया गया कि उनके ग्राम में कुछ लोग बीते कुछ दिनों से अवैध शराब बेच रहे हैं । जिससे ग्राम का माहौल बिगड़ रहा है। ग्राम में आए दिन विवाद जैसी स्थिति निर्मित होते रहती है । शाम होते ही लोग चौक, चौराहों पर शराब के नशे में विवाद करते हैं। जबकि उनके द्वारा गांव में विवाद होने की जानकारी संबंधित थाने को भी दी गई है। किंतु गांव में अवैध रूप से बिक रही शराब बंद नहीं हो रही है । ग्रामीण चाहते हैं कि गांव में अवैध शराब को बंद कर गांव को नशा मुक्त किया जाए, क्योंकि इस प्रकार से अवैध शराब बिकने से उनके गांव का माहौल खराब हो रहा है । जिससे वह आए दिन परेशान हो रहे हैं । जबकि उनके द्वारा अवैध बिक रही शराब की शिकायत ग्रामीण थाने में भी की गई है, किंतु वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई । इस कारण आज वह ग्रामीण और अन्य गांव के लोगों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे हैं । वह चाहते हैं कि तत्काल गांव में बिक रही अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए गांव को नशा मुक्त किया

पत्रकार सुभाष ने भी भागचंद शुक्ल के विरुद्ध बिरसा थाना में की रिपोर्ट

जातिगत रूप से अपमानित और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । पत्रकार सुभाष कुमार देशराज ने भागचंद शुक्ल के विरुद्ध बिरसा पुलिस थाने में रिपोर्ट की है। पत्रकार सुभाष कुमार देशराज के द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने में भागचंद शुक्ल ग्राम पौनी थाना मलाजखंड निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देते हुए जातिगत रूप से अपमानित और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक सुभाष कुमार देशराज ग्राम मोहगांव थाना मलाजखंड निवासी पत्रकारिता करते हैं। उन्होंने भागचंद शुक्ल पर आरोप लगाया है कि 31 जुलाई को जब वे आवश्यक काम से मरारीटोला बिरसा आए थे और वे मरारी टोला बस स्टैंड में खड़े थे। उनके साथ में उनके गांव के जयपाल ब्रम्हे , विवेक परवार खड़े थे। इस समय 9:30 बजे करीब भागचंद शुक्ल दमोह की ओर जा रहे थे। जिन्होंने उसे देखकर मेरे खिलाफ रिपोर्टिंग करता है कहकर अश्लील गालियां और जातिगत रूप से अपमानित करते हुए झूठी शिकायत करा कर निपटाने और बंदूक से जान से खत्म कर देने की धमकी देने का आरोप लगाये। 3 अगस्त को सुभाष कुमार देशराज 38 वर्ष ग्राम मोहगांव थाना मलाजखंड निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने भागचंद शुक्ल के विरुद्ध धारा 296 351(3) भारतीय न्याय संहिता और धारा 3(1)द,3(1)ध,3(2)(1a) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध किया है। ज्ञात होगी इसके पूर्व भागचंद शुक्ल ग्राम पौनी थाना मलाजखंड निवासी ने आरोप लगाए थे कि 25 जुलाई को 3-4 बजे के बीच जब वे इंडियन बैंक दमोह में गार्ड की ड्यूटी कर रहे थे। तभी सुभाष देशराज, संतोष ब्रम्हे आये और उसकी फोटो खींचकर कहने लगे थे की 20 हजार रुपये महीना देना पड़ेगा, हम पत्रकार है नहीं तो तेरे खिलाफ पेपर में छाप देंगे । तब उन्होंने उनसे कहे थे कि में अस्थाई कर्मचारी हूं दिन में बैंक में और रात में नगर पालिका में चौकीदारी का काम करता हूं। किंतु रुपए नहीं देने पर सुभाष देशराज ने अश्लील गालियां देते हुए, एस सी एक्ट में फसाने की धमकी दी थी। भागचंद शुक्ल ने इसके पूर्व सुभाष देशराज के भाई गोपाल देशराज के विरुद्ध इंडियन बैंक दमोह में वीडियो बनाकर रुपए की मांग करने का आरोप लगाये थे । 2 अगस्त को भागचंद शुक्ल द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने में सुभाष देशराज उसके भाई गोपाल देशराज और संतोष ब्रम्हे के विरुद्ध धारा 296 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जिसकी विवेचना की जा रही है।

कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट

संक्षिप्त तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक / 5601 **दिनांक 04/08/2025**

कार्यालय जिला पंचायत बालाघाट को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनांतर्गत कार्यों के मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु मासिक एवं प्रतिदिवस दर आधार पर वाहन एसयूवी (जैसे-बुलेरो) की आवश्यकता है। जिसके लिए संबंधित प्रोप्राइटर/फर्म/ ऐजेंसी से प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त करने मुहरबंद निविदाएं दिनांक 18/08/2025 दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 19/08/2025 को दोपहर 12.00 बजे जिला पंचायत बालाघाट के सभाकक्ष में खोली जावेगी। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत प्राप्त निविदाएं स्वीकार नही की जावेगी। निविदा प्रपत्र रु. 2000.00 आवेदन शुल्क (नॉनरिफंडेबल) ऑनलाईन पैमेंट (QR CODE से) जमा कर दिनांक 04/08/2025 से कार्यालयीन दिवसों व समय में कार्यालय पीएम पोषण शाखा से प्राप्त किये जा सकते है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत बालाघाट

नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप : बीसी राय ट्राफी नेशनल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज

उप्र और असम के बीच होंगी जंगी भिढ़ंत, सिंधु भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ द्वारा मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबाल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 26 जुलाई से नगर में आयोजित अंडर 16 नेशनल जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप का मंगलवार 5 अगस्त को फाइनल मैच के बाद समापन किया जाएगा। जहां इस प्रतियोगिता के खिताब के लिए उत्तर प्रदेश और असम राज्य के खिलाड़ियों के बीच जंगी मुकाबला देखने को मिलेगा। आपको बताएं कि आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश को हराकर उत्तर प्रदेश ,तो वही बिहार को हराकर असम ने प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई है। जिनका फाइनल मुकाबला मंगलवार दोपहर 3 बजे नगर से रेंजर कालेज मैदान में खेला जाएगा। जहां मैच जीतने वाली टीम को विजेता घोषित कर पुरस्कार वितरण के बाद, राष्ट्र स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। जहां उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर राष्टी स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के नाम की घोषणा कर टीम का गठन किया जाएगा।जिसके उपरांत प्रतियोगिता का समापन होगा।जिसकी तमाम जानकारी देने के लिए सोमवार को नगर के सिंधु भवन में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। जिला फुटबाल संघ द्वारा आयोजित इस पत्रकारवार्ता के दौरान उपस्थित पदाधिकारी सदस्यों ने इस प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी देते हुए मंगलवार 5 अगस्त को आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील जिले वासियों से की है।इस दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश रंगलानी, समिति के पदाधिकारी अभय सेठिया,, श्रीमती लता एलकर, गणेश अग्रवाल, गोपाल आडवाणी, तपेश असाटी और जिला फुटबाल संघ सचिव सुनील यादव सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

कारगिल विजय दिवस पर पीजी कॉलेज में आयोजित हुए कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट में भारत के 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीरता, शौर्य और बलिदान को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और अमर बलिदान को नमन करते हुए प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण में संपूर्ण शैक्षणिक स्टाफ, गैर-शिक्षकीय कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत कारगिल युद्ध के शूरवीरों की गाथा एवं महापुरुषों की प्रेरक जीवन कहानियों के साथ हुई। एनसीसी, एनएसएस एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की सहभागिता से यह आयोजन और अधिक भावप्रवण एवं प्रेरणास्पद बन गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित परिचर्चा, विचार संगोष्ठी, पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा से वीरों की स्मृति को जीवंत कर दिया। कारगिल के शहीदों को समर्पित देशभक्ति गीतों और ओजस्वी भाषणों ने समस्त वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। छात्राओं अंशु डोंगरे, साक्षी पालेवार, रजनी पाल, विनय भारती, जानवी बोहने, कुमकुम एवं प्रणाली बारमाटे ने अपनी ओजस्वी प्रस्तुतियों से समस्त जनमानस को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी प्रो. सूखचंद एड़े एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे द्वारा किया गया एवं इस आयोजन में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. उषा सिंह, डॉ. प्रवीण कौशले, डॉ. तारा सिंगराम, डॉ. रचना कोरी, डॉ. प्रतिमा बिसेन एवं प्रो. खिलेश्वर ठाकरे सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भूले बिसरे गीत कार्यक्रम के माध्यम से सदाबहार नगमों ने श्रोताओं का मन मोहा

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी पुरानी गुजरी चौक (गांधी चौक किरनापुर) में भूले बिसरे गीत श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन 3 अगस्त 2025 को सुर संगम सांस्कृतिक समिति किरनापुर के तत्वाधान में रखा गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष खूमेश अजीत व सचिव अरविंद कोरे के माध्यम से इस कार्यक्रम में फिल्म संगीत के महान व मशहूर पार्श्व गायको की स्मृति में क्षेत्र के नवोदित गायक कलाकारों ने भाग लिया। जिसमे उनके द्वारा प्रस्तुत सदाबहार नगमों मे सावन का महीना पवन करे शोर, दीवाना हुआ बादल, नफ़रत की दुनिया को छोड़ कर प्यार की दुनिया में खुश रहना मेरे यार, ओ मेरी महबूबा..महबूबा, ये आँखें देख कर हम सारी दुनियां भूल जाते हैं, जिंदगी का सफ़र है ये कैसा सफ़र, जाईए आप कहां जाएंगे, मैं गलियों का राजा, वफ़ा जिनसे की बेवफ़ा हो गये, आज मदहोश हुआ जाएं रे मेरा मन मेरा मन, तुम मुझे यूं भूला ना पाओगे जैसे शानदार सदाबहार नगमों की प्रस्तुतियां दी गई।इस कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह, जिला पंचायत सदस्य मीरा राधेश्याम सिंघनधूपे, चेतना कुराहे, डाली कावरे, राधेश्याम सिंघनधूपे, असीम चौहान, विकासखंड शिक्षा अधिकारी गणेश सोनी, जिला समन्वयक अधिकारी राजेंद्र श्रीवास्तव, बंटीं अर्जुनवार, ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच धर्मकला भाई जेपी रामटेके, ग्राम पंचायत के पंचगण एवं ग्रामीण नागरिक इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक गायको ने सुमधुर नगमों के माध्यम से सदाबहार नगमों की अपनी प्रस्तुति पेश की जिसे उपस्थित श्रोता दर्शकों का मन मोह लिया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बाघ को जलाने के मामले में वनरक्षक हिमांशु घोरमारे एवं डिप्टी रेंजर टीआर हनोते निलंबित

सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद जांच में हुआ खुलासा, शव को तीन बार स्थानांतरित कर जलाया गया, 6 वनसुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल, दो आरोपी श्री घोरमारे, श्री हनोते फरार, आरोपियों पर कठोर कार्यवाही की मांग

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा दक्षिण सामान्य वन मंडल परिक्षेत्र के सोनेवानी अभ्यारण केन्द्र क्षेत्र से मृत बाघ की फोटो लोकेशन ट्रेस करने के बाद बहियाटिकुर बीट क्रमांक 443 पोटूटोला स्थित कालागोटा नाला से बाघ का शव गायब हो जाने एवं वनरक्षक हिमांशु घोरमारे, डिप्टी रेंजर टीआर हनोते के निर्देश पर 6 वन सुरक्षाकर्मियों के द्वारा 27 से 30 जुलाई के बीच में शव को गायब कर साक्ष्य मिटाने के लिए जलाकर रफा-दफा कर दिया गया है। इस मामले में वन विभाग के द्वारा वनरक्षक श्री घोरमारे एवं डिप्टी रेंजर श्री हनोते को तत्काल से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही बाघ को जलाने के मामले में 6 वन सुरक्षाकर्मियों सहित वनरक्षक व डिप्टी रेंजर को आरोपी बनाया गया है जिसमें 6 वन सुरक्षाकर्मियों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके खिलाफ वन विभाग के द्वारा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 यथा वन्यजीव (संरक्षण) संशोधित अधिनियम 2022 की धारा 2 का (16 सी), 39, 48ए, 50, 51, 52, 57 के तहत मामला पंजीबध्द कर 6 वन सुरक्षाकर्मी (चौकीदार) को वारासिवनी न्यायालय में पेश कर वह से जेल भेज दिया गया है एवं वनरक्षक हिमांशु घोरमारे व डिप्टी रेंजर फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। इस तरह से जिनके कंधे में वन संपदा एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा का जिम्मा है वे रक्षक ही वन्यप्राणियों की सुरक्षा के बदले अपराध को छुपाने के लिए उसे जलाकर रफा-दफा करने का कार्य कर रहे है। इस तरह से रक्षक की भक्षक बन रहे है जिससे वन्यप्रेमियों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं वन्यप्रेमियों ने मृत बाघ की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को नही देने एवं जलाकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश करने वाले आरोपियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

साक्ष्य मिटाने के लिए मृत बाघ को जलाया गया

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को सोनेवानी अभ्यारण्य के व्हाट्सअप ग्रुप में एक मृत बाघ की फोटो डाली गई थी और फोटो लोकेशन ट्रेस करने के बाद घटना स्थल बहियाटिकुर बीट क्रमांक 443 के पोटूटोला स्थित कालागोटा नाला की बताई गई थी। जिसके बाद वनविभाग के आला अधिकारी हरकत में आये और पूरे जंगल की खोजबीन में जुट गये। लेकिन बाघ का शव नही मिला। जिसके बाद शाम में संदेह के आधार पर 6 वन सुरक्षाकर्मियों को पकड़कर उनसे सघनता से पुछताछ की गई। जिसमें वनसुरक्षाकर्मियों ने बाघ की मौत ही सच्चाई को खोला और उन्होने बताया कि बाघ का शव 27 जुलाई को नाले में पाया गया था। जिसकी जानकारी बीट वनरक्षक हिमांशु घोरमारे एवं डिप्टी रेंजर टीआर हनोते को दे दिये थे। लेकिन उन्होने हम लोगों को बाघ को रफा-दफा कर देने के निर्देश दिये थे। जिसके बाद वनसुरक्षाकर्मियों ने 27 से 30 जुलाई तक बाघ को तीन स्थानों पर लेकर गये और मृत बाघ के शव जिस स्थान पर फोटो लोकेशन ट्रेस हुआ था उससे ढाई किमी. दूर कक्ष क्रमांक 440 में 30 जुलाई को साक्ष्य मिटाने के लिए मृत बाघ को जलाकर नष्ट कर दिया एवं राख को फैला दिया गया था। जिसके कारण मृत बाघ का शव नही मिल पा रहा था और वन विभाग के द्वारा 2 अगस्त से सोशल मीडिया में फोटो वायरल के बाद से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही थी। वहीं वन सुरक्षाकर्मियों के द्वारा बाघ को किस स्थान पर जलाकर नष्ट किया गया है उस स्थान से वन विभाग ने बाघ के हड्डी भी बरामद किये है। इस तरह से मृत बाघ के शव को छुपाकर जला देने के आरोप में वन विभाग ने 3 अगस्त को 6 वनसुरक्षाकर्मी, वनरक्षक श्री घोरमारे, डिप्टी रेंजर श्री हनोते के खिलाफ वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर 6 वनसुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर बाघ को जलाने के मामले का खुलासा किया है। वहीं वनरक्षक एवं डिप्टी रेंजर घटना के बाद से फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है, जिन्हे जल्द गिरफ्तार कर लेने की बात कही जा रही है। इस तरह से मृत बाघ को शव को वरिष्ठ अधिकारियों को बिना जानकारी दिये साक्ष्य मिटाने के लिए वनकर्मचारियों ने जला दिये जिससे वन विभाग पुरा घेरे में आ गया है कि जिनके कंधे में वनसंपदा की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी है वे ही भक्षक बन रहे है यानि की अपराध कर रहे है।

इन्हे किया गया गिरफ्तार

मृत बाघ के शव को वनकर्मचारियों एवं वन सुरक्षाकर्मियों ने साक्ष्य मिटाने के लिए जलाया था। इस मामले में वनसुरक्षाकर्मी चितालटोला निवासी 49 वर्षीय हरिलाल इडपांचे, खैरगोंदी निवासी 40 वर्षीय मानसिंह सलामे, बोरीटोला निवासी 34 वर्षीय देवसिंह कुमरे, नवेगांव निवासी 37 वर्षीय शिवकुमार धुर्वे, 23 वर्षीय शैलेष धुर्वे, टेकाड़ी ला. निवासी 23 वर्षीय अनुज सिरसाम को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं वनरक्षक हिमांशु घोरमारे, डिप्टी रेंजर टीआर हनोते फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है।

फरार वनकर्मियों को जल्द कर लिया जायेगा गिरफ्तार - सिरसाम

चर्चा में दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा प्रभारी एसडीओं बीआर सिरसाम ने बताया कि बाघ के शव को जलाने के मामले में वनरक्षक हिमांशु घोरमारे, डिप्टी रेंजर टीआर हनोते को निलंबित कर दिया गया है और इस निलंबन अवधि में उनका कार्यक्षेत्र जिला वन विभाग कार्यालय में रहेगा। साथ ही इस मामले में 6 वनसुरक्षाकर्मी व दो वनकर्मी आरोपी है जिसमें से 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है जिन्हे न्यायालय में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया है एवं फरार वनरक्षक, डिप्टी रेंजर को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा और मामले की जांच गहनता से की जा रही है जिससे आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

आयोग सदस्य मौसम बिसेन का पंवार क्षत्रिय संगठन ने किया सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट के जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन के निर्देशानुसार स्थानीय सर्किट हाउस में मध्यप्रदेश आयोग पिछड़ा वर्ग की सदस्य मौसम बिसेन का सम्मान किया गया। साथ ही मौसम बिसेन द्वारा ओबीसी 13 प्रतिशत पर लगे होल्ड हटाने के लिए लड़ाई लड़ने की भी बात इस आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में कही गई। आपको बता दे कि स्थानीय सर्किट हाउस में 4 अगस्त को दोपहर 1:00 बजे जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट के पदाधिकारीयों द्वारा मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समाज के पदाधिकारी सहित संरक्षक उपस्थित रहे। जिसमें संगठन के महिला तथा पुरुष पदाधिकारीयों द्वारा सर्वप्रथम मौसम बिसेन का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन द्वारा समाज को संगठित और शिक्षित बनाए जाने को लेकर अपनी बात रखी गई और कहा गया कि वह ओबीसी वर्ग पर लगे 13 प्रतिशत होल्ड को हटाने के लिए प्रयास करेंगी। साथ ही जिले में पवार समाज को एकत्रित कर संगठित रखने का काम किया जायेगा। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक फत्तूलाल बिसेन, महिला अध्यक्ष श्रीमती आशालता चौहान, योगीता बोपचे, गरिमा गौतम, अमिता तूरकर, सुनीता टेंभरे, अल्का बिसेन, रंजना हनवत, प्रियंका कटरे, इंदु बिसेन, गायत्री बिसेन, रूपाली सोनवाने ममता सोनवाने, एड, निखिल गौतम, एड अजय बिसेन, डॉ राजेन्द्र एल कटरे, शैलेन्द्र राहंगडाले, मनोज भैरम, गुनेंद्र पटले, अरविंद कटरे, संजय पप्पू गौतम, के. सी. चौहान, डॉ अक्षय कटरे, जैनेन्द्र कटरे, महेंद्र अमूले, डॉ अमर बिसेन, मनीष राहंगडाले, विजय ठाकरे, मालचंद बघेले, युगल राहंगडाले, एड. दिनेश पारधी, प्रकाश पटले, सुशील राहंगडाले, विमल गौतम, एवं अन्य सामाजिकजन उपस्थित रहे।

वार्ड समस्याओं को लेकर वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद बैठेंगे 12 अगस्त को नपा. के सामने हड़ताल पर

अधूरी नाली निर्माण और वार्ड की समस्याओं को लेकर सुनवाई नहीं होने को लेकर वार्ड पार्षद है नाराज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वार्ड क्रमांक 27 में अधूरी नाली निर्माण को लेकर वार्डवासी और वार्ड पार्षद द्वारा अधूरी नाली निर्माण को लेकर नाराजगी जाहिर की गई है । यहां वार्ड वासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा जो नाली बनाई जा रही थी, वह पूरी नहीं बनाई गई । एक वार्ड वासी का कहना है कि उन्होंने अपने स्वयं के पैसे लगाकर नाली को बनाया है। जिस पर वार्ड पार्षद द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष सहित इंजीनियर पर आरोप लगाए गए हैं कि वह वार्ड की समस्या को प्राथमिकता से नहीं ले रहे हैं। इसलिए वह 12 अगस्त से नगर पालिका के सामने हड़ताल पर बैठेंगे।

आपको बता दे कि वार्ड क्रमांक-27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल ने नपा के अधिकारियों, कर्मचारियों और इंजीनियरों पर जनप्रतिनिधियों की बातों की अवहेलना और नपाध्यक्ष पर पार्षदों की अनदेखी का आरोप लगाया है। आशुतोष ने बताया कि सात महीने पहले उनके वार्ड में नाली निर्माण का कार्य चल रहा है, लेकिन ये कार्य गुणवत्ताहीन है। इस संबंध में मैंने कई बार नपाध्यक्ष और नपा सीएमओ को लिखित आवेदन देकर अवगत कराया, लेकिन काम की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं आया। इतना ही नहीं, मौके पर बिना इंजीनियर के निरीक्षण या जांच के ठेकेदार को कार्य का भुगतान भी कर दिया गया है। जबकि पूर्व की परिषद बैठक में नपाध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने स्पष्ट कहा था कि जिस वार्ड में निर्माण कार्य होगा, वहां के पार्षद की गुणवत्ता को लेकर जब तक संतुष्टी नहीं होगी, तब तक ठेकेदार को भुगतान नहीं होगा, लेकिन ऐसा नही हुआ । नाली निर्माण अधूरा छोड़ा गया है। कई घरों के सामने नाली ही नहीं बनाई गई है। कई स्लैब क्षतिग्रस्त हैं। पुलिया टूटी हुई है। घरों के सामने रैंप नहीं बने हैं। इसके बाद भी ठेकेदार को भुगतान करना, नपा की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। पार्षद का कहना है कि नपा के न इंजीनियर और न ही अधिकारी-कर्मचारी पार्षद की बात सुनते हैं। ये नपा पर हावी हो चुके हैं। पार्षद ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वह 12 अगस्त से नगर पालिका के मुख्य गेट के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे ।

वार्ड वासियों ने भी जाहिर की नाराजगी

वार्ड क्रमांक-27 के रहवासी नपा की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट हैं। रहवासी सरिता फुंदे का कहना है कि नाली अधूरी छोड़ दी गई है। उनके घर के सामने बरसाती पानी जमा हो रहा है। नपा में जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही। पार्षद अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनकी भी कोई नहीं सुन रहा। सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त सब इंजीनियर आनंद कर्वे ने बताया कि मैंने खुद अपने खर्चे पर घर के सामने नाली बनवाई है। क्योंकि मेरे घर के सामने नाली निर्माण कराया ही नहीं गया। जबकि उनके द्वारा अपने घर के सामने नाली को लेकर लगभग 10 से 15 हजार रूपये खर्च किए गए हैं वहीं इधर नगर पालिका के संबंधित अधिकारी बता रहे कि जितना नाली को लेकर एस्टीमेट बनाया गया था उतना ही काम वार्ड क्रमांक 27 में हुआ है।

हाथी पर सवार होकर निकले महाकाल

उज्जैन की तर्ज पर नगर में निकाली गई महाकाल की पालकी, श्रद्धालु भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, झांकिया रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए, प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर में उज्जैन की तर्ज पर महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई।महाकाल सेवा समिति द्वारा सावन माह के चौथे सोमवार को बाबा महाकाल की पालकी सोमवार शाम नगर भ्रमण के लिए निकाली गई।जिसमे भारी तादात में श्रद्धालुओं का जनसैलाब नजर आया। उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की सवारी की तरह गोंदिया रोड स्थित नये श्रीराम मंदिर से निकाली गई यह महाकाल की पालकी यात्रा राममंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक से कालीपुतली चौक, आम्बेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुये वापस श्रीराम मंदिर पहुंची। जहां महाकाल पालकी यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्तों का भारी जनसैलाब इस पालकी यात्रा में देखने को मिला। जहां श्रद्धालु भक्तगण डीजे व बैंड की धुन पर थिरकते, झूमते नाचते गाते और भगवान की भक्ति में लीन नजर आए।

गजराज पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकले महाकाल

उज्जैन की तर्ज पर शहर मुख्यालय में गजराज (हाथी) पर बाबा महाकाल सवार हुए। महाकाल सेवा समिति के सेवादार व सदस्यो ने बताया कि इस बार खासतौर पर उज्जैन से गजराज बुलाकर अंतिम सोमवार के इस आयोजन को भव्य और भक्तिमय रूप दिया गया है।इस दौरान शिव भक्तों का श्रृंगार, नृत्य और हैरत अंगेज करतबों ने लोगों का ध्यान खींचा। महाकाल सेवा समिति द्वारा पहले विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर फूलों से पालकी सजाई गई, जिस पर बाबा महाकाल को विराजित किया गया। एक प्रतिमा गजराज पर रखकर शहर भ्रमण कराया गया। शिवजी के भक्ति गीतों के बीच बाबा महाकाल के भक्त नृत्य करते हुए आगे बढ़े। हालांकि, करीब दो घंटे देरी से निकली शाही सवारी में देर शाम हुई वर्षा ने खलल डाला। बावजूद इसके भी श्रद्धालु भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ और यह यात्रा अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ती रही।

बाबा महाकाल को चढ़ाया गया 56 भोग

नगर भ्रमण के बाद जैसे ही यह पालकी यात्रा समापन के लिए नए राम मंदिर पहुंची, वैसे ही भगवान जगन्नाथ के जयघोष के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए।इस दौरान बाबा महाकाल को 56 भोग चढ़ाया गया। तो वही उज्जैन की तर्ज पर ही श्रद्धालुओं द्वारा महाआरती की गई। इस अवसर पर महाप्रसाद भंडारा का भी वितरण किया गया।जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भंडारा और महाप्रसाद ग्रहण किया।

महाकाल की जय घोष से गूंजा शहर

बाबा महाकाल की पालकी को भक्तजन अपने कांधे पर लेकर पैदल बाबा महाकाल व बम बम भोले के जयकारे लगाते हुये चल रहे थे। इस दौरान युवाओं की टीम द्वारा नगाडों व झांझ करतार बजाते हुये शहर के प्रमुख चौक चौराहों में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान भगवान भोलेनाथ की झांकी भी आर्कषक रही। महाकाल की पालकी में शामिल युवा पुरुष माता बहने सहित हर कोई महाकाल का जयघोष करते नजर आया जहां बाबा महाकाल के नारों से शहर गूंज उठा। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, और सनातन सभा सहित विभिन्न हिन्दुवादी संगठनों के पदाधिकारी सदस्य व महाकाल भक्त बड़ी संख्या में शामिल रहे।

06 अगस्त को संचार एवं संकर्म समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आगामी 06 अगस्त को जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 01:30 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा, पांचवा वित्त, 15वॉ वित्त, प्रधानमंत्री खनिज कल्याण निधी एवं अन्य विभागो द्वारा कराए जा रहे निमार्ण कार्यों की समीक्षा की जाएगी। समिति के सभी सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने के लिए सूचना भेज दी गई है।

सोशल मीडिया में लड़की से छेड़छाड़ करने के मामले में डेढ़ माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

गोंदिया चाँदनी टोला निवासी है आरोपी भागेश चिखलोंढ़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सोशल मीडिया में एक लड़की को अश्लील फोटो दिखाकर उसके साथ छेड़छाड़ करने के मामले में डेढ़ माह से फरार एक युवक को गोंदिया जिले के ग्राम नागरा में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक भागेश पिता छगनलाल चिखलौंढ़े 28 वर्ष ग्राम चांदनीटोला नागरा जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में रहने वाली एक लड़की ने भागेश चिखलोंढ़े के विरुद्ध पूर्व में प्रेम संबंध के चलते शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाई थी। इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर भरवेली पुलिस थाना में भागेश चिखलोंढ़े के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया था ।यह घटना सन 2024 की थी। इस मामले में भागेश चिखलोंढ़े को गिरफ्तार किया गया था। यह मामला इन दोनों बालाघाट के न्यायालय विचाराधीन है। वही भागेश चिखलोंढ़े जमानत पर था। इसके बाद भागेश चिखलोढ़े इस लड़की को सोशल मीडिया व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो दिखाकर उसे छेड़छाड़ करने लगा था। 6 जून 2025 को इस लड़की ने भरवेली पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। जहां पर भागेश चिखलौंढ़े के विरुद्ध धारा 77,78 भारतीय न्याय संहिता और धारा 67(ए) आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच महिला पुलिस थाने की पुलिस द्वारा की गई थी। भरवेली पुलिस थाना में अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी भागेश चिखलोंढ़े फरार हो गया था। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। हाल ही में सूचना मिली कि भागेश चिखलौंडे अपने घर आया हुआ है। इस सूचना पर 4 अगस्त को भरवेली थाने से उपनिरीक्षक जयदीप सिह भदोरिया, प्रधान आरक्षक रमेश बिसेन, आरक्षक राहुल सलामे गोंदिया पहुंचे और खोजबीन कर भागेश चिखलौंढ़े को ग्राम नागरा में उस समय गिरफ्तार कर लिए जब वह भरवेली पुलिस के आने की भनक लगते ही भागने की फिराक में था और गिरफ्तार आरोपी भागेश चिखलोंढ़े को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

हर-हर महादेव के नारों से गुंजमान्य हुआ वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम स्थल

सावन माह के अंतिम सोमवार को जगह-जगह से निकाली गई कांवड़ यात्रा, वैनगंगा नदी से कांवड़ियों ने जल लाकर भोलेनाथ का किया जलाभिषेक, विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सावन माह के अंतिम सोमवार को लालबर्रा विकासखण्ड के ग्राम पांढरवानी, खारी, बकोड़ा, ददिया, मरेरा सहित अन्य ग्रामों से भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यह कांवड़ यात्रा ढोल-नगाड़ों एवं डीजे की धुन पर निकाली गई और श्रध्दालुओं ने हर-हर महादेव, बोल बम के जयकारे लगाते हुए बम्हनी होते हुए वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम पहुंचे और वैनगंगा नदी का जल लाकर सबसे पहले पोटियाधाम स्थित महाकाल मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किये तत्पश्चात कांवड़िये जल लेकर अपने-अपने गांव पहुंचकर ग्राम में स्थित शिव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के बाद विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये एवं आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं सावन माह के अंतिम सोमवार को विभिन्न ग्रामों से निकाली गई कांवड़ यात्रा वैनगंगा नदी पोटियाधाम पहुंची। जिससे श्रध्दालुओं की एकाएक भीड़ बढ़ जाने से कांवड़ियों का मेला सा लग गया और वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम स्थल हर-हर महादेव के नारों से गुंजमान्य उठा। साथ ही कांवड़ियों के द्वारा वैनगंगा नदी से भगवान शिव का अभिषेक कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं सावन माह के अंतिम सोमवार को विभिन्न ग्रामों से वैनगंगा नदी पहुंचे कांवड़ियों की संख्या एकाएक भीड़ बढ़ गई थी और वैनगंगा नदी में पानी का जल स्तर बढ़ा हुआ है, तेज गति से पानी बह रहा है। छोटे-बड़े कांवड़िये वैनगंगा नदी से जल भरकर लेकर आ रहे थे लेकिन उक्त स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से कोई व्यवस्था पंचायत व पुलिस प्रशासन के द्वारा नही की गई थी। वैनगंगा नदी से जल लाते समय अगर कोई कांवड़िये अनियंत्रित होकर पानी में गिर जाता तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। वहीं दोपहर बाद जब मीडियाकर्मियों ने वैनगंगा नदी में जल लेने पहुंचे कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर व्यवस्था करने के संबंध में जनप्रतिनिधि से चर्चा की गई। जिसके बाद थाना प्रभारी को जानकारी देने के बाद दो पुलिसकर्मी पहुंचे। साथ ही वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम धार्मिक स्थल बन चुका है जहां पिंडदान सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते है। लेकिन सुविधाएं कम होने के कारण दुर-दराज से आने वाले श्रध्दालुजनों को परेशानी होती है। विभिन्न ग्राम से पहुंचे कांवड़ियों ने ग्राम पंचायत बम्हनी, ददिया एवं प्रशासन से पोटियापाट धाम स्थल की नियमित रूप से साफ-सफाई एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाकर विकास करने की मांग की है।

जगह-जगह कांवड़ियों को फल, पानी एवं शर्बत का किया गया वितरण

भगवान शिव के पावन सावन माह के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में कांवड़ियों का जत्था माँ वैनगंगा के पावन तट पोटियापाट धाम पहुंचा था और जहां से कांवड़ियों के द्वारा अपनी कांवड़ में जल भरकर डीजे की धुन पर थिरकते हुए अपने गांव पहुंचे। इस दौरान पोटियापाठ धाम में जगह-जगह विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों के द्वारा कांवड़ियों का स्वागत-सत्कार कर स्वल्पाहार, फलहार, पानी एवं शर्बत कर वितरण किया गया।

सावन में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने से मिलती है विशेष कृपा - श्रीमती भोयर

श्रीमती पदमा भोयर ने बताया कि हिन्दु धर्म के अनुसार सावन माह पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने से विशेष फल प्राप्त होने की मान्यता है इसी मान्यता के तहत हमारे द्वारा अपने गांव से कांवड यात्रा निकाली गई थी जो मां वैनगंगा के पावन तट पोटियापाट घाट पहुंची जहां से हम सभी कांवडियें अपने कांवड़ में जल भरकर अपने गांव के शिवमंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर उनकी विशेष कृपा प्राप्त करेंगें। सावन माह के अंतिम सोमवार पर वैनगंगा नदी के तट पर क्षेत्र के विभिन्न गांव से बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रा पहुंची है जिसमें अपनी मनोकामना लेकर कांवडियें कांवड में जल भरकर भगवान भोलेनाथ की शरण में जाकर उनका जलाभिषेक का विशेष फल प्राप्त करेंगें।

सावन में बड़ी संख्या में पोटियापाट धाम पहुंचती है कावड़ यात्रा - मनीराम

जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर ने बताया कि सावन माह के पावन अवसर पर लालबर्रा क्षेत्र के आसपास के विभिन्न गांवों से श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में कावड़ यात्रा निकालते है और मां वैनगंगा से अपने कावड़ में जल भरकर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर धर्मलाभ अर्जित करते हैं। इस तरह से बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष कावड़ियें मां वैनगंगा पोटिया पाठ धाम पहुंचते हैं जहां से अपनी कांवड़ में जल भरकर यह कावड़ यात्रा शिव मंदिर के लिए रवाना होती है इस तरह से इस धाम में सावन सोमवार को मेला सा नजर बन जाता है। वहीं वर्तमान में नदी में पानी बहुत तेजी ये बह रहा है और भक्तों की संख्या भी बहुत अधिक है लेकिन प्रशासन के द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से कोई व्यवस्था नहीं की गई जिससे बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। प्रशासन से हम यही मांग करेंगे की सावन को देखते हुए जिस तरह से कावड़ यात्राएं निकाली जा रही है बड़ी संख्या में शिवभकत कावड़ यात्रा लेकर मां वैनगंगा नदी पोटियापाठ घाट पहुंच रहे हैं तो सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर सुरक्षा के बेहतर इंतजाम प्रशासन को करना चाहिए जिससे किसी तरह की कोई घटना घटित ना हो सके।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर हुई बैठक

मुख्य समारोह के व्यवस्था की विभागवार सौंपी गई जिम्मेदारी

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत कटंगी के सभा हाल में सोमवार को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की तैयारियों को लेकर सभी विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक हुई. बैठक का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस समारोह की समुचित तैयारी व समन्वय सुनिश्चित करना था. बैठक में एसडीएम के.सी.ठाकुर, जनपद पंचायत सीईओ गायत्री सारथी, नगर परिषद सीएमओ राधेश्याम चौधरी, जनपद उपाध्यक्ष भानू सिंह पटले, नगर परिषद उपाध्यक्ष धर्मकला देशमुख सहित सभी जनपद पंचायत सदस्य, नगर परिषद के पार्षदों और विभागों के अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में गांधी चौक में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई. इसके पहले ही नगर परिषद के पार्षदों ने मुख्य समारोह के आयोजन में होने वाला खर्च वहन करने से साफ इंकार कर दिया. नगर परिषद के पार्षदों ने कहा कि मुख्य समारोह में जनपद अध्यक्ष ध्वजारोहण करती है. सीएम का प्रदेश की जनता के नाम का संदेश वाचन भी जनपद अध्यक्ष द्वारा ही किया जाता है तो नगर परिषद इस कार्यक्रम का खर्च वहन नहीं करेंगी. एसडीएम ने मुख्य समारोह की जानकारी हासिल की और अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की अलग-अलग व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी है. साफ-सफाई की जिम्मेदारी नगर परिषद, ध्वनि विस्तारक यंत्र और डेकोरेशन की जिम्मेदारी जनपद पंचायत और एसडीएम कार्यालय, स्वल्पाहार की जिम्मेदारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मिष्ठान वितरण की जिम्मेदार खाद्य और आबकारी विभाग को है. मुख्य समारोह में 05 सांस्कृतिक कार्यक्रम ही होने तय किए गए है।

हवन पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ बहियाटिकुर में अखंड रामायण पाठ का हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बहियाटिकुर के बजरंग मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण मास के पवित्र माह में हिंदू धर्मावलंबियों के द्वारा अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया है जिसमें श्रध्दालुओं के द्वारा अखण्ड रामायण का पाठ कर हवन पूजन व महाप्रसादी का वितरण कर कार्यक्रम संपन्न किया गया। तत्संबंध में जानकारी देते हुये निलेश चौधरी ने कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बजरंग मंदिर समिति, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ग्राम बहियाटिकुर के द्वारा 2 अगस्त को विधि विधान से पूजन अर्चन कर अखंड रामायण पाठ शुभारंभ किया गया एवं रात्रि में सत्संग कार्यक्रम कर 3 अगस्त को अखंड रामायण पाठ का समापन किया गया और हवन पूजन के पश्चात महाआरती कर भकतों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर पुरुष एवं महिला रामायण मंडल के सदस्य, हिंदू धर्मप्रेमी व ग्रामीणजन बड़ी

वैनगंगा नदी के जल से कांवड़ियों ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

जगह-जगह कांवड़ियों का किया गया स्वागत, मंदिर में हुए विविध धार्मिक कार्यक्रम

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)।'हर भोला हर हर महादेव' के नारों से क्षेत्र को गुंजायमान करते हुए सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को प्रातः 9 बजे नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर से शिवभक्तों का जत्था कांवड़ लेकर लगभग 6 किमी. दूर स्थित पवित्र वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट के लिये रवाना हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बजरंग मंदिर समिति द्वारा आयोजित यह कावड़ यात्रा डीजे की धुन पर पैदल नाचते गाते व भोले बाबा के नारे लगाते ग्राम अमोली, बम्हनी होते हुए पोटियापाट घाट पहुंची। जहां कांवड़ियों ने कांवड़ में वैनगंगा नदी से जल भरा जिसके पश्चात वापस सभी कांवड़िये बजरंग मंदिर के लिये रवाना हुए। इस दौरान जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत भी किया गया एवं फल भी वितरित किये गये। शिवभक्तों के इस जत्थे में 10-12 वर्षीय बालिका-बालकों ने भी पूरे जोश के साथ भाग लिया और पैदल पूरी यात्रा की। वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट से सभी कांवड़िये कांवड़ में गंगाजल लेकर दोपहर 1 बजे बजरंग मंदिर पहुंचे जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कर वैनगंगा नदी के पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक व पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा अध्यक्ष ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अंतिम सोमवार को मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट तक निकाली गई और कांवड़ियों के द्वारा वैनगंगा पोटियापाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर लगातार बजरंग मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन जारी है एवं विगत 45 वर्षों से निरंतर बजरंग मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ किया जाता है। जिसका समापन रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन 11 अगस्त को हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ किया जायेगा। श्री शर्मा ने कांवड़ियों को रास्ते में हिन्दु सेना, डब्ल्यूजेओं पत्रकार संघ के द्वारा फल एवं प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के पदाधिकारीगण एवं श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

सिंधु सेना ने किया कांवडियों को जलपान का वितरण

सिंधु सेना लालबर्रा, वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गनाईजेशन लालबर्रा इकाई के पत्रकार साथियों के द्वारा पोटिया पाठ धाम शिव मंदिर पर कांवड़ियों को जलपान कराया गया और मंदिर समिति के युवा साथी वैद्यनाथ शर्मा, यशउदय शर्मा, हिमांशु पसीने एवं अन्य सहयोगी साथियों के द्वारा रास्तों में विभिन्न जगहों पर कांवडियों के लिये शीतल पेयजल की व्यवस्था की व्यवस्था की गई। इस कावड़ यात्रा को सफल बनाने में अपने विशेष सहयोग देने वाले भकतजनों का मंदिर समिति के पदाधिकारियों के द्वारा आभार व्यकत किया गया।

बम्हनगांव के कावड़ियों ने बाबा कोटेश्वर का जलाभिषेक कर किया पूजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बोल बम सेवा समिति ग्राम बम्हनगांव के द्वारा लांजी स्थित बाबा कोटेश्वर के धाम पहुंचकर सोन नदी एवं बाघ नदी के संगम स्थल दो मुहान से जल लेकर बाबा कोटेश्वर का जलाभिषेक कर पूजा अर्चन किया गया। बताएं कि ग्राम बम्हनगांव मे बोल बम सेवा समिति ने 3 अगस्त दिन रविवार को ग्राम के शिव मंदिर में अखंड रामायण का पाठ कर चौथे एवं इस वर्ष के अंतिम श्रावण सोमवार को सुबह 7:00 बाघ नदी एवं सोन नदी के संगम तट दो मुहान मुंडेसरा घाट में सभी कावड़िया इकट्ठा होकर गंगा आरती कर गंगाजल लेकर डीजे के धुनो पर बोल बम एवं बाबा भोलेनाथ के जयकारे के साथ सैकड़ों कावड़ियों का जत्था मुंडेसरा से पैदल चलकर मां किरनाई के दरबार में माथा टेककर गुजरी होते हुए दादा कोटेश्वर धाम 45 किमी की पैदल तय करते हुए पहुंचे । इस दौरान मां किरनाई की पावन धरा पर इन कावडियों का किरनापुर नगर मे पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हीना कावरे, मुकेश जोशी,समाजसेवियों जिनमें प्रमुख रूप से मंगल प्रसाद रैकवार, उमेश भूते, शैलेश भौंडाये,शिव तारन ,संतोष क्षीरसागर, ग्राम पंचायत बम्हनगांव सरपंच बालचंद पांचे सहित अन्य लोगों ने बड़े ही आत्मीयता एवं गर्मजोशी से कावडियों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें पुष्प मालाएं पहना कर स्वागत सत्कार करते हुए जलपान कराया गया।इस कावड़ यात्रा रैली में बड़ी संख्या मे महिला ,पुरुष किसान, युवाओं के साथ-साथ बच्चे भी बोल बम एवं हर हर महादेव के जयकारे लगाते रहे। इस कावड़ यात्रा रैली को सफल बनाने मे बोल बम सेवा समिति ग्राम बम्हनगांव बोल बम सेवा समिति अध्यक्ष महेश ठाकरे, पप्पू चौरागडे, डॉ.राहुल बाहें, कैलाश सोनी, दीनाराम पाचे, संजय बाहें, महेश तिवारी, तुलसीराम बाहें, चैन लाल ठाकरे, विनोद पाचे, नंदू नागेश्वर, नंदू पाचे, कैलाश कन्नौजे, निलेश कन्नौजे राजेश नागेश्वर, मुंशी बाहें, समल पांचे, महेश पाचे, झिलराज दुलारे, किशोर बाहें, महेश देवराज पाचे, ग्राम सरपंच बालचंद पांचे, जितेंद्र वनवे ,पुलिस पटेल श्यामलाल चौरागडे, जितेंद्र मोदेकर, ओमप्रकाश ब्राह्मण संतोषसिह राणा, पूर्व सरपंच भारत पाचे, राकेश कावरे, बाबा चौधरी, डॉ राजेश नागेश्वर, भोजु सोनवाने सहित अन्य ने कावड़ यात्रा मे शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में अव्यवस्था का आलम

सैकड़ो विद्यार्थी मूलभूत सुविधा से वंचित विद्यार्थियों में आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही स्थित वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। जहां पर मूलभूत सुविधाओं से सैकड़ो विद्यार्थियों को वंचित होना पड़ रहा है। जिस पर लगातार विद्यार्थियों के द्वारा आक्रोश व्यक्त कर धरना प्रदर्शन तालाबंदी ज्ञापन जैसे माध्यम से अपनी मांगों को व्यक्त किया गया है। किंतु आज भी उक्त समस्याओं का स्थाई निराकरण नहीं किया गया है जिसका परिणाम है कि अव्यवस्था यथावत बनी हुई है। विद्यार्थियों को शिक्षा अध्ययन करने में भी कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ,जिनके द्वारा शासन प्रशासन से व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

१५ दिनों से महाविद्यालय में नही है पानी की सुविधा

शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या पानी की बनी हुई है। जहां पर भवन निर्माण एजेंसी के द्वारा पूर्व में समर्सिबल पंप लगाया गया था परंतु बीते करीब १५ दिनों पूर्व यह बंद हो गया है। उसके बाद से पूरे महाविद्यालय में पानी का अकाल पड़ा हुआ है जहां पर पीने के लिए आरो की दो केन मंगवाकर विद्यार्थियों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। किंतु शौचालय ,वॉशरूम एवं अन्य कार्यों के लिए पानी की किल्लत बनी हुई है। जहां पर भयंकर गंदगी की स्थिति होने से बदबू भी बाहर परिसर में फैल रही है जहां शिक्षा अध्ययन करने में विद्यार्थियों को खासी समस्या हो रही है। वहीं आगामी कितने दिनों तक यह समस्या बनी रहती है इसकी भी संभावनाएं निश्चित नहीं है।

नियत तिथि बीतने के बाद भी पूर्ण नहीं हुआ भवन

किन्ही में वर्ष २०१९ में शासकीय महाविद्यालय का भवन निर्माण हुआ था जिसमें पांच कक्ष का निर्माण प्राथमिक तौर पर किया गया था। जिसके बाद वर्ष २०२० में महाविद्यालय स्थानांतरित कर दिया गया जिसमें से तीन कक्षो में कार्यालय एवं दो कक्षो में बीएससी ,बीए संकाय की तीनों वर्ष की कक्षाएं संचालित की जाती है। जहां पर कक्षों की पूर्ति नही होने पर बरांडे में भी कक्षाओं का संचालन हो रहा है ,इसके बाद अतिरिक्त कक्ष के रूप में भवन को पूर्ण करने के लिए स्वीकृति दी गई। परंतु नियत तिथि के बाद भी भवन का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है जिसमें नियत तिथि को बढ़ाने की बात सामने आ रही है। किंतु आज भी कक्षों की समस्या यथावत बनी हुई है जिससे विद्यार्थियों में आक्रोश व्याप्त है।

महाद्यिालय के परिसर में चारों तरफ हैं फैली है गंदगी

महाविद्यालय भवन के अंदर विभिन्न स्थानों पर गंदगी आसानी से देखी जा सकती है। तो वहीं सीढ़ी के पास में कुर्ची ,टेबल ,कबाड़ के रूप में पड़े हुए हैं। तो वहीं बरांडे में भी गंदगी फैली है जो कि कक्षाएं संचालित हो रही है,जहां पर बदबू का वातावरण बना हुआ है तो वहीं परिसर की साफ सफ ई शून्य दिखाई दे रही है। वहीं विद्यार्थियों एवं छात्र छात्राओं के द्वारा अपनी मोटर साइकिल साइकिल को खड़ी करने के लिए कोई साइकिल स्टैंड भी नहीं है । जिस कारण से सभी के द्वारा अपने वाहनों को सुरक्षित और धूप से बचाने के लिए मुख्य गेट के सामने पोर्च में खड़ा कर दिया जाता है। जहां पर आवागमन तक की व्यवस्था नहीं हो पाती है बड़ी मुश्किल से लोगों को पहुंचना पड़ता है।

महाविद्यालय में अव्यवस्था का अंबार लगा हुआ है कालेज प्रबंधन को ध्यान देना चाहियें-विवेक रंगारे

छात्र विवेक रंगारे ने बताया कि हमारे महाविद्यालय में कई प्रकार की समस्याएं हैं जिस पर आज तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। कई बार मांग की गई पर समस्या यथावत है बीएससी की कक्षा लग रही है तो बीए वालों को बाहर खड़ा रहकर इंतजार करना पड़ता है। साफ सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है कुछ दिनों से बोरवेल खराब है उस पर भी कोई ध्यान नहीं है पानी की समस्या यथावत बनी हुई है। किसी को शौचालय जाना है या तबीयत खराब हो गई तो उसके ऊपर सींचने के लिए पानी नहीं है। पीने के लिए आरो का पानी बुलाते हैं वह भी पर्याप्त नहीं होता है जो समय से पहले खत्म हो जाता है। यह सब व्यवस्थाएं ठीक होना चाहिए साफ सफाई परिसर में रहनी चाहिए।

पानी की समस्या बनी हुई है इस मामले में उच्च अधिकारियों को बता दिया है-के एल हिवारे

महाविद्यालय के प्राचार्य के एल हिवारे ने बताया कि बोर खराब हो गया है मैकेनिक को हमने बुलाया था ८ दिन प्रयास किया मोटर बाहर नहीं आई जो फस गई है। अभी हमारा निर्माण चालू है तो पीआई को हमने समस्या बताकर उन्हें पत्र दिया है जिन्होंने नया बोर करने का आश्वासन दिया है तो हम इंतजार में है। पीने के लिए आरो का पानी बुला रहे हैं बाहर के पानी उपयोग के लिए टैंकर से व्यवस्था बना रहे हैं। हमारे दो कक्ष है जिसमें कक्षाएं लगती है बाकी बरामदे में कक्षा लगाते हैं यहां पर आना जाना बना रहता है इसलिए अव्यवस्था है। भवन पूर्ण होते ही फर्नीचर जो बाहर रखा हुआ है उसे अंदर लगा दिया जाएगा भवन निर्माण की समय सीमा समाप्त हो गई है। इस संबंध में अधिकारी को हमारे द्वारा बोला गया है तो उन्होंने शायद तिथि बढ़ा दी है बिल की समस्या के कारण यह देरी बताई जा रही है।

कावड़ यात्रा का सभी भक्तो को वर्ष भर इंतजार रहता है-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पुनी ,दिनी से लिंगमारा के लिये कावड़ यात्र निकाली गई। भगवान शिव के प्रति समर्पण व भक्ति के प्रतिक कावड़ यात्रा में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। जंहा ग्रामीण क्षेत्रो से अधिक संख्या में पधारे भक्तो के साथ महाआरती कर व महाप्रसादी ग्रहण कर प्रभू शिव का आर्शीवाद भी प्राप्त किया। इस दौरान धाम में संगीतमय और भक्तो के द्वारा दो दिवसीय अंखड रामायण के पाठ का समापन भी सपंन्न हुआ। साथ ही

विशाल कावड यात्रा का वैनगंगा का जल लेकर वापस पुनी से दीनी होते हुये श्रीराम बालाजी लिगंमारा में पहुंचे। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पुरे वर्ष भर इस कावड़ यात्रा का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस यात्रा में भक्त गंगाजल लेकर शिव मंदिर में आते है और शिवलिंग का अभिषेक करते है। इस पवित्र धाम में कावड यात्रा प्रेम और भाईचारे का प्रतिक बनकर एक बड़ी पहचान के रूप में स्थापित हो चुकी है। इस दौरान शंकर डोहरे, रेखचंद पारधी,दुर्गा लक्षणे,पिंटू पारधी, संतोष बघेले,नीलू ठाकरे, सावन डोहरे, ओंकार ठाकरे, साहेबलाल बघेले, अरूण पारधी,महादेव डोहरे,फंदूलाल चचाने, मिलिंद नगपुरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारतीय कमन्युस्ट पार्टी का वारासिवनी में जिला स्तरीय सम्मेलन आज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय कमन्युस्ट पार्टी का त्रिवर्षीय सम्मेलन ५ अगस्त २०२५ को कृषि उपज मंडी प्रांगण में सुबह ११ बजे से आयोजित किया गया है। जिसमें पार्टी के राज्य सचिव अरविंद श्रीवास्तव, जिला सचिव डी डी वासनिक,किसान सभा सचिव युवराज बैस, राज्य सचिव किरण बुरडे,संतोष मंडलवार, प्रांतीय सचिव ओमप्रकाश बुरडे,छन्नूलाल दांदरे, जिला सचिव दिनेश रामटेके,अनाज मंडी मजदूर संघ अध्यक्ष भिवराम भोयर ,राइस मिल मजदूर संघ अध्यक्ष विद्यानंद देशमुख ,कामरेड नरबद ठाकरे की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया हैं। जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं सहित पार्टी के विंग हमाल रेजा मजदूर एवं राइस मिल यूनियन संघ के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया जायेगा। जिसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा सहित संगठन का चुनाव पार्टी विस्तार सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा किए जाने के साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेता,पूर्व सचिव , वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.कामरेड कृष्णा मोदी की याद में उनके द्वारा पार्टी एवं मजदूरों के हितों में किए गए संघर्षों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएँगी।

लिंगमारा के जल से कावड़ियो ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

कोस्ते में कावड़ यात्रा संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते में महाकाल सरकार समिति एवं समस्त ग्रामवासी के तत्वाधान में भव्य कावड़ यात्रा निकालकर लिंगमारा के जल से कोस्ते नाला स्थित शंकर घाट में अभिषेक किया गया। जहाँ संगीतमय सुंदरकांड भजन संध्या भंडारे का भी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ चौथे श्रावण सोमवार को किया गया। जिसमें ग्राम कोस्ते से सुबह भव्य कावड़ यात्रा डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के साथ निकाली गई। जो कोस्ते से महाराजपुर ,डोंगरगांव का भ्रमण करते हुए लिंगमारा स्थित श्री राम बालाजी मंदिर पहुंचे। जहां स्थित तालाब का जल कावड़ में लेकर वापस ग्राम पंचायत कोस्ते आकर गांव के विभिन्न चौक चौराहे एवं गलियों का भ्रमण करते हुए कोस्ते नाला स्थित शंकर घाट पहुंचे। जहां पर यात्रा का समापन कर सभी के द्वारा अपनी कावड़ में लाये गए जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया तत्पश्चात विधि विधान से पूजा अर्चना कर महा आरती की गई। इस कावड़ यात्रा के दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर लोगों के द्वारा जमकर नृत्य किया गया तो वहीं यात्रा में शामिल बड़ी संख्या में लोग आकर्षण का केंद्र रहे। इस यात्रा का जगह जगह ग्रामीणों के द्वारा पुष्प वर्षा व पानी वितरण के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद शंकर घाट में संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या प्रारंभ की गई जिसमें मां कात्यानी म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई वहीं शानदार भजन का गायन किया गया। इस दौरान भजन गायिका पायल बिसेन के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या की प्रस्तुति दी गयी। जिसमें उपस्थित लोगों ने जमकर नृत्य भी किया गया कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारा महाप्रसादी के रूप में दिया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामवासी सहित राहगीरों के द्वारा शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित किया जाता रहा। समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष हमारे द्वारा ग्राम में धर्ममय वातावरण का निर्माण करने युवाओं को धर्म से जोड़ने के लिए धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। जिसमें श्रावण मास के पावन अवसर पर कावड़ यात्रा प्रमुख आयोजन है जिसमें प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य कावड़ यात्रा संगीत में सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू धर्मालंबियों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम का आनंद एवं भगवान का आशीर्वाद लिया गया। वहीं दुगनी उत्साह के साथ आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई गई। इस अवसर पर महाकाल सरकार समिति सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

मीनाक्षी तालाब में डूबने से अंशुल उइके की मौत

बकरी चराने के लिए खेत की तरफ गया था युवक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचेवाही के नखाटोला निवासी १७ वर्षीय युवक की मीनाक्षी तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि अंशुल उइके बकरी चराने के लिए खेत की तरफ गया हुआ था जो तालाब में नहाने उतरा था तब यह हादसा हो गया। मामले में पुलिस के द्वारा शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत मार्ग जांच प्रारंभ कर दी है।

रामदयाल उइके के तालाब में हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोचेवाही के नखाटोला निवासी गुर्जर सिंह उइके का १७ वर्षीय बालक अंशुल उइके प्रतिदिन की तरह सोमवार की दोपहर में बकरी चराने के लिए अपने खेत की तरफ गया हुआ था। जहां पर वह बकरी चरा रहा था तभी खाली समय में उसने देखा कि ग्राम के रामदयाल उइके के खेत में मछली पालन के लिए मीनाक्षी तालाब योजना के अंतर्गत तालाब का निर्माण किया गया है। जहां पर मछली पालन किया जाता है वहां पानी भरा हुआ था इसके बाद अंशुल उइके के द्वारा तालाब की पार पर अपने कपड़े उतार कर तालाब में छलांग लगा दी गई। जहां पर अत्यधिक पानी भरा होने और काफी गहराई होने से युवक झटपटा कर चिल्लाने लगा तभी आसपास खेती कार्य कर रहे लोग दौड़कर आयें। जिन्होंने उक्त युवक को पानी में डूबता हुआ देखा और बाहर निकलने का बहुत प्रयास किया किंतु उनके सारे प्रयास विफल रहे। वह युवक गहरे पानी में जाने से डूब गया दिखना भी बंद हो गया तभी अंशुल को डूबता हुआ देखने वाले व्यक्ति के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी तालाब मालिक एवं अंशुल के परिवार को दी।

यह घटना आग की तरह पूरे गांव में फैल गई जहां लोगों की भीड़ लग गई वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंची। जहां तालाब के अंदर पतासाजी कर १७ वर्षीय अंशुल उइके का शव बरामद किया गया। मौके पर पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में लाकर पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

तालाब में नहाते समय गहरे पानी में जाने से हुई अंकुश की मौत-पवन यादव

उपनिरीक्षक पवन यादव ने बताया कि कोचेवाही का नखाटोला का लड़का अंकुश पिता गुर्जर सिंह उइके उम्र १७ वर्ष बकरी चराने गया था। जो मीनाक्षी तालाब में नहाने उतरा और डूब गया तालाब में पतासाजी की गई जहां से बॉडी को निकाल कर पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को दे दिया गया है। वहीं मामले की जांच की जा रही है मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

नगर पालिका ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर की चालानी कार्यवाही

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक पर चालानी कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के निर्देश पर की गई। जिसमें शासन के द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ठ प्रबंधन नियम २०२१ के अनुसार ७५ एवं १०० माईक्रॉन से कम वाले प्लास्टिक बैग ,प्लास्टिक उत्पाद व सिंगल यूज डिस्पोजल प्लास्टिक थर्माकोल के सामान का भण्डारण विक्रय वितरण तथा उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। इसी परिपेक्ष्य में नगर में कुछ दुकानों पर औचक निरिक्षण के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक,कैरीबैग का वितरण उपयोग करते पाये जाने पर चालानी कार्यवाही करते हुये ५ दुकानदारों से लगभग १००० रूपये का जुर्माना अधिरोपित कर वसूली की कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी जब तक शासन मापदण्डों के अनुरूप सिंगल यूज प्लास्टिक का भण्डारण विक्रय वितरण तथा पूर्णत: बंद ना हो जावें।

झूलनोत्सव पर बरबस ताजी हो जाती हैं अंगभूमि भागलपुर के बरारी सीढ़ी घाट ठाकुर बाड़ी की यादें

भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए झूलन यात्रा अर्थात झूलनोत्सव एक अति आनंदमय अवसर होता है जब भक्तगण श्रावण शुक्ल एकादशी से लेकर श्रावण पूर्णिमा तक प्रतिदिन सुनहरे झूलों पर राधा-कृष्ण की झूला-लीला का आयोजन करते हैं जो इस वर्ष 5 अगस्त से लेकर 9 अगस्त तक चलेगा। झूलनोत्सव के अवसर पर वातावरण अत्यंत सुहावना होता है। सावन के महीने में मनाये जानेवाले इस पर्व के दौरान प्रकृति रानी भी मानों सोलहों श्रृंगार के साथ निखर उठती है जब आकाश में मानसून के बादल उमड़ पड़ते हैं और भीषण गर्मी के बाद वर्षा होने से जनमानस के हृदय में प्रफूल्लता का संचार हो जाता है। इस दौरान श्रीकृष्ण का विशेष धाम ब्रजभूमि अत्यंत मनोरम व उत्सवमय हो उठता है। देश-दुनिया भर के हजारों भक्तगण राधा-कृष्ण के इस दिव्य युगल को झूला झुलाकर उनकी सेवा करने का अवसर-आनंद पाने के लिए यहां के मंदिरों में एकत्रित होते हैं। ऐसी मान्यता है कि वृंदावन ही वह पवित्र स्थली है जहां प्रभु श्रीकृष्ण ने पांच हजार वर्ष पूर्व अपने बाल्यकाल के सबसे प्रेममय अध्याय और युवावस्था के रास-रस से सराबोर वर्ष बिताए थे। ब्रजभूमि के भव्य मंदिर महा-उत्सव की चहल-पहल से गूंजायमान हो उठता है। इस दौरान श्रीराधा-कृष्ण के बाल लीलाओं के वृंदावन में गोप-गोपियों के साथ उनके झूला झूलने का पावन स्मरण किया जाता है। पांच दिनों तक मनाये जानेवाले इस पर्व के दौरान श्रीकृष्ण की लीला-स्थली वृंदावन सहित देश की हर ठाकुरबाड़ियों की रौनक निखर उठती है और पूरा माहौल उत्सवमय हो उठता है। झूलनोत्सव में श्रीराधा-कृष्ण की लीला भूमि वृंदावन और देश की अन्य ठाकुरबाड़ियों के साथ अंगभूमि के नाम से विख्यात भागलपुर में भी पर्व की विशेष चहल-पहल शुरू हो जाती है। खास बात यह है कि इस प्राचीन नगरी के हर गली-मुहल्लों में राधा-कृष्ण के भव्य मंदिर अवस्थित हैं जहां झूलन की चहल-पहल शुरू हो जाती है। मंदिरों और ठाकुरबाड़ियों के रंग-रोगन कराये जाते हैं तथा रंगीन बल्बों, फूलों आदि से विशेष साज-सज्जा की जाती है। भागलपुर नगर की ठाकुरबाड़ियों की बात करें तो यहां के प्रमुख धार्मिक स्थल बाबा बूढ़ानाथ स्थित राधा-कृष्ण मंदिर की विशेष साज-सज्जा के साथ झूलन के दौरान उन्हें प्रतिदिन मेवा-मिष्ठान सहित अंतिम दिन छप्पन भोग चढ़ाये जाते हैं, वहीं अलीगंज स्थित राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी में भगवान को नये वस्त्रों से आवेष्ठित किया जाता है, भजन-कीर्तन के आयोजन होते हैं और अंतिम दिन छप्पन भोग लगाया जाता है। अनंतराम मारवाड़ी टोला में अन्य ठाकुरबाड़ियों की तरह पारंपरिक अनुष्ठान के साथ श्रीकृष्ण लीला पर आधारित कीर्तन की प्रस्तुति के साथ अंतिम दिन रंग-बिरंगे फूलों से साज-सज्जा की जाती है, वहीं गोशाला स्थित महादेव मंदिर में झूले पर विराजमान राधा-कृष्ण की आराधना में शंखनाद और घंटियों के बीच राधे-राधे के स्वर गूंजायमान होते हैं व अंतिम दिन बर्फ तथा फूलों से श्रृंगारी की जाती है। कोतवाली स्थित कूपेश्वर नाथ महादेव तथा भेरायटी चौक स्थित मंदिरों में राधा-कृष्ण के विग्रह को रेशमी वस्त्रों, आभूषणों व फूलों से सजाया जाता है जिसमें श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए भक्तिभाव से भाग लेती हैं(प्राचीन अंग देश की राजधानी रहे नाथनगर व चम्पानगर के साथ नाथनगर रेलवे स्टेशन के आगे स्थित गग्गरा पुष्करिणी सरोवर, जहां कभी भगवान बुद्ध ने अवस्थान किया था, में स्थित कई पुरातन ठाकुरबाड़ियों में भी झूलनोत्सव के दौरान पूजन-अनुष्ठान होते हैं। नगर के मध्य में स्थित मुंदीचक मुहल्ले में करीब पांच राधा-कृष्ण मंदिर अवस्थित हैं जहां खूब धूमधाम रहती है।

वफादारी से मेहनत करने वालों को सैल्यूट!

वैश्विक स्तरपर हर उस व्यवहार, कार्य और परिस्थितियों में जहां किसी व्यक्ति का अपमान करना हो, उसे नीचा दिखाना हो, उसे बदनाम करना हो तो, उसे बोलने वाले प्राथमिक अस्वस्थ्य भाषा ठठोली ? प्रतीक के रूप में कुत्ता शब्द का प्रयोग किया जाता है, वैसे तो इस बोध में अनेक पशु-पक्षी व जानवरों का नाम जैसे गधा,उल्लू सांड गिरगिट, काला नाग जैसे अनेक जानवरों के नामों का प्रयोग किया जाता है, जिसे सुनकर वाद विवाद प्रतिवाद इतना बढ़ जाता है कि, हत्या तक हो जाती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसे नकारात्मक पहलू से देखा जाता है, जबकि इनका सकारात्मक पहलू यह है कि गधा बहुत भारी बोझ उठाकर मेहनत के प्रति समर्पित रहता है,सांड खेतियों में हल जोतने की मेहनत का काम करता है, इस तरह हर ऐसे अपमान के सूचक बनें इन प्राणियों का हमारे जीवन को सुचारू रूप से चलाने में कुछ ना कुछ योगदान होता है, फिर भी हम उन्हें हास्यप्रद व अपमान सूचक शब्दों से व्यक्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते, आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 5 अगस्त 2025 को हम राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने (वर्क लाइक ए डॉग डे)के दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जो अमेरिका सहित पश्चिम भारत सहित दक्षिण एशिया इत्यादि देश में मनाया जाता है, इस दिन का उद्देश्य उन सभी लोगों को सम्मान देना है जो इतना कठिन परिश्रम करते हैं,अपनी वफादारी व जिम्मेदारियों को निष्ठा व अनुशासन के साथ निभाते हैं और मानव समाज की प्रगति में योगदान देते हैं। इसमें दो बातें महत्वपूर्ण है, (1) यह दिन एक प्रतीक है-ऐसे श्रमिकों, कर्मचारियों व्यापारियों और हर उस व्यक्ति के लिए जो कुत्ते की तरह अथक, नि:स्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करतें है। (2) पशुओं में कुत्ता वह प्राणी है जिसे सबसे अधिक वफादार, मेहनती और संरक्षक माना गया है। वह केवल आदेश मानने वाला प्राणी नहीं, बल्कि कई मामलों में नेतृत्वकर्ता, खोजी, सहायक और संकटमोचक भी होता है।पुलिस डॉग्स, थैरेपी डॉग्स, फॉर्म डॉग्स, रेस्क्यू डॉग्स और गाइड डॉग्स-हर क्षेत्र में इनकी मेहनत असाधारण है। ये विशेष प्रशिक्षित कुत्ते दिन-रात काम करते हैं, बिना शिकायत किए, बिना थके। यही भावना इस दिवस के पीछे की प्रेरणा है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वर्क लाइक ए डॉग डे,5 अगस्त 2025, वफादारी व समर्पण भाव से मेहनत करने वालों को सैल्यूट। साथियों बात अगर हम मेहनतकश लोगों को सैल्यूट करने की करें तो,इस दिवस की एक और प्रासंगिकता है-यह आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक और लक्ष्य-केंद्रित वर्क कल्चर की झलक देता है, ये सब हमें लगातार कुत्ते की तरह काम करने के लिए मजबूत करता हैं। लेकिन यह कब प्रगति का संकेत बनता है और कब शोषण, इसपर विचार करना भी उतना ही आवश्यक है।जिसमें इंसान को मशीन की तरह 24/7 काम करने की अपेक्षा की जाती है।इस दिन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है जो अपने कार्यस्थल पर या जीवन में साधारण नहीं, बल्कि असाधारण मेहनत करते हैं। इसमें शामिल हैं- (1) कृषक जो सुबह 4 बजे खेतों में पहुंचते हैं।(2)डॉक्टर और नर्स जो महामारी या आपदा के दौरान 18-18 घंटे की शिफ्ट करते हैं। (3) स्वच्छता कर्मी जो शहरों को साफ -सुथरा बनाए रखने में जुटे रहते हैं।(4) महिलाएँ, जो घर और ऑफिस दोनों में 'वर्क लाइक अ डॉग' वाली भूमिका निभाती हैं। (5) वर्क फ्रॉम होम, ओवरटाइम, स्टार्टअप कल्चर, करियर रेस चुनौतीपूर्ण कार्य। साथियों बात अगर हम मेहनत करने की करें तो,जब हम मेहनत की बात करते हैं, तब हमें ये भी देखना होगा कि हर व्यक्ति को उसके काम का पूरा मुआवज़ा मिले, और उसकी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक सेहत का ध्यान रखा जाए। (1) वर्कप्लेस वेलनेस प्रोग्राम्स (2) मेंटल हेल्थ अवेयरनेस (3) बर्नआउट की पहचान और राहत (4) वर्क- लाइफ बैलेंस के प्रयास ये सभी ज़रूरी हैं ताकि मेहनत करने वाले थकें नहीं, टूटें नहीं, बल्कि प्रेरित और संतुलित रहें। हम देखते हैं कि आज जब चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स, रोबोट, ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर इंसानी कामों को बदल रहे हैं,तब कुत्ते की तरह काम करना अब मेहनत नहीं बल्कि स्मार्ट वर्क की ओर मुड़ता प्रतीत हो रहा है। लेकिन इस बदलाव में भी वो भावना, वो ऊर्जा, वो लगन जो इंसान का मूल गुण है,वह अमूल्य है। एआई कभी वफादारी, नैतिकता और जुनून नहीं ला सकता, जो एक इंसानी श्रमिक में होता है। साथियों बात अगर हम दुनियाँ के भविष्य,बच्चों व युवाओं को काम का मूल्य सिखाने की करें तो,वर्क लाइक ए डॉग डे केवल वयस्कों के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को श्रम के मूल्य और गरिमा सिखाने का एक सुनहरा अवसर है। (1) उन्हें छोटे-छोटे कार्य सौंपें। (2) घर के कामों में भागीदार बनाएं (3) उन्हें यह बताएं कि मेहनत केवल पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण के लिए भी है।परंतु *कुछ आलोचक कहते हैं कि कुत्ते की तरह काम करना इंसानों के आत्म-सम्मान के विरुद्ध है।* इसमें मनुष्यता की उपेक्षा होती है। यह दलील तब सार्थक लगती है जब कार्य की मात्रा मनुष्य की सीमा से अधिक हो जाती है।इसलिए इस दिन को मनाते हुए हमें मेहनत और शोषण के बीच की महीन रेखा को पहचानना ज़रूरीहै। 5 अगस्त का नेशनल वर्कलाइक ए डॉग डे कोई तुच्छ मुहावरा नहीं बल्कि मेहनत करने वालों की आत्मा को श्रद्धांजलि है।यहदिन हमें याद दिलाता है कि समाज उन्हीं के कंधों पर खड़ा है जो लगातार आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं।हर पेशा-चाहे वह सीईओ हो या स ?क पर सफाई करने वाला-मेहनत का सम्मान बराबर चाहता है।सबसे महत्वपूर्ण बात- मेहनत करना गौरव की बात है, लेकिन अपने स्वास्थ्य, संतुलन और आत्म- सम्मान केसाथ।कुत्ते की तरह काम करने का मतलब सिर्फ पसीना बहाना नहीं है, बल्कि यह अपने काम से प्रेम करना, उसे जिम्मेदारी से निभाना,और दुनियाँ को यह दिखाना है कि ईमानदारी और मेहनत कभी असफल नहीं होती। साथियों बात अगर हम वर्क लाइक ए डॉग डे मनाने की करें तो, अपने दिन का सर्वोत्तम प्रदर्शन करें, (1) इस दिन अपने सभी कार्यों को सर्वोत्तम गुणवत्ता और पूर्ण समर्पण से करें। (2) अपने साथियों की प्रशंसा करें-टीम में जो सबसे मेहनती हैं, उन्हें धन्यवाद कहें या एक छोटी सी प्रशंसा दें। (3) अपने काम के प्रति खुद को प्रेरित करें-यह दिन आत्मनिरीक्षण का भी है। (4) किसी सेवा कुत्ते की कहानी साझा करें-जानवरों से प्रेरणा लेना भी इस दिन का एक भावनात्मक पहलू है। (5) आराम भी जरूरी है-ध्यान रखें कि संतुलन बनाए रखना भी इस दिवस की शिक्षा है। साथियों बात अगर हम इस दिवस के इतिहास की करें तो,वर्क लाइक ए डॉग डे की सटीक ऐतिहासिक उत्पत्ति अस्पष्ट है, लेकिन इसका मूल अमेरिका में माने जाते हैं। यह दिन उन मेहनतकश अमेरिकियों की प्रशंसा और मान्यता के लिए मनाया गया,जो रोज़गार और जीवन के तनावों के बावजूद पूरे मनोयोग से कार्य करते हैं।इसे अनौपचारिक छुट्टी के तौर पर मान्यता मिली,और सोशल मीडिया ने इसे लोकप्रिय बनाया।धीरे-धीरे यह दिन दुनियाँ भर के श्रमिकों के लिए एक प्रेरणा बन गया। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि साहब !मेरा नाम हमेशा अपमान के पर्याय के रूप में लेते हो !आज मेरे नाम पर वैश्विक वफादारी, समर्पण, मेहनतकश और प्रतिबद्धता का दिवस है,राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने का दिवस(वर्क लाईक ए डॉग डे) 5 अगस्त 2025 - वफादारी से मेहनत करने वालों को सैल्यूट !5अगस्त 2025 का दिन ऐसे श्रमिकों कर्मचारीयों व्यापारियों और हर उस व्यक्तियों के लिए है, जो कुत्ते की तरह वफादारी, निस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करते हैं।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

जिसका दोस्त अमेरिका उसे दुश्मन की जरूरत क्या है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प शांति का नोबल पुरस्कार लेने की फिराक में तो जरूर हैं परन्तु उनके फैसले व बयानों से यही नजर आ रहा है गोया उन्होंने पूरे विश्व को अशांत व विचलित करने का ठेका ले रखा है। खासकर चूँकि वे स्वयं एक व्यवसायी पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखते हैं इसलिये उनके अनेक फैसलों व बयानों में व्यवसायिकता का भाव साफ देखने को मिलता है। इत्तेफाक से यही डोनाल्ड ट्रम्प 2017 से 2021 के अपने पहले कार्यकाल के दौरान झूठ बोलने व भ्रामक दावे करने का भी विश्व कीर्तिमान बना चुके हैं। अमेरिकी प्रतिष्ठित समाचार पत्र वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में कुल 30,573 झूठे या भ्रामक दावे किए थे। यानी उन्होंने औसतन प्रतिदिन लगभग 21 झूठे दावे किए थे । 2021 में राष्ट्रपति भवन से उनकी बिदाई कितनी हिंसक व शर्मनाक थी यह भी दुनिया ने देखा था। बहरहाल उनकी दक्षिणपंथी सोच के चलते एक बार फिर अमेरिकी जनता ने उन्हें निर्वाचित कर लिया है। परन्तु इस बार वे कुछ अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। जहाँ वे विश्व शांति दूत बनने की फिराक में युद्ध रत देशों के बीच युद्ध विराम करने वाले एक महान शांतिप्रिय नेता के रूप में स्वयं को स्थापित करना चाह रहे हैं वहीँ अपनी व्यवसायिक मानसिकता के कारण वे युद्धग्रस्त देशों को शस्त्रों की आपूर्ति करने में भी पीछे नहीं हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने इस दूसरे कार्यकाल में टैरिफ बम छोड़ कर भी अनेक देशों को विचलित कर दिया है। खबरों के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप अब तक 92 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं जो संभवत: 7 अगस्त 2025 से लागू होंगे। विभिन्न देशों पर अलग अलग कारणों से टैरिफ लगाने के अतरिक्त इसी सन्दर्भ में पिछले दिनों उन्होंने भारत व रूस को लेकर जो गैर जिम्मेदाराना बातें कहीं वह पूरी तरह असत्य व असभ्य थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने 30 जुलाई 25 को सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को मृत अर्थव्यवस्था कह डाला। उन्होंने भारत से आयात पर 25त्न टैरिफ और रूस से तेल व सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए भारत पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने तक की घोषणा कर डाली । यह कदम भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों, विशेष रूप से रूस से भारत के तेल आयात और सैन्य खरीद के कारण उठाया गया। ट्रंप की सोच है कि भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अमेरिका के व्यापारिक हितों के खिलाफ हैं। ट्रंप ने भारत और रूस को ब्रिक्स समूह का हिस्सा होने के कारण भी निशाना बनाया, जो अमेरिकी डॉलर को वैश्विक व्यापार में चुनौती देता है। इसी सन्दर्भ में ट्रंप ने भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी, खासकर रूस से तेल और हथियारों की खरीद को लेकर तंज कसते हुये कहा कि उन्हें परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है, लेकिन दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को और नीचे ले जा सकते हैं। यह बयान भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका की नाराजगी को दर्शाता है, विशेष रूप से जब अमेरिका, रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहा है। भारत ने भले ही मृत अर्थव्यवस्था (Dead economy) बताने पर ट्रंप को कोई जवाब नहीं दिया परन्तु रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने जरूर ट्रंप को धमकी भरा जबरदस्त जवाब दे दिया। मेदवेदेव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि ट्रम्प को अपनी पसंदीदा फिल्म द वॉकिंग डेड याद करनी चाहिए और यह सोचना चाहिए कि डेड हैंड कितना खतरनाक हो सकता है। दरअसल डेड हैंड शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ की एक स्वचालित परमाणु हथियार नियंत्रण प्रणाली थी, जो बड़े पैमाने पर रूसी नेतृत्व के नष्ट होने पर भी स्वचालित रूप से परमाणु हमला शुरू कर सकती है। मेदवेदेव ने ट्रम्प को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि रूस की ताकत को कम न आंकें। मेदवेदेव की यह चेतावनी ट्रंप के रूस और भारत की अर्थव्यवस्थाओं को मृत करार देने तथा यूक्रेन युद्ध को 10 दिन में समाप्त करने की समय सीमा निर्धारित करने के जवाब में थी। उधर राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की डेड हैंड चेतावनी के जवाब में रूस के निकटवर्ती क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दे दिया है। ट्रंप ने मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों का हवाला देते हुए कहा कि यह कदम एहतियाती है ताकि ऐसी बयानबाजी को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि ये पनडुब्बियां परमाणु हथियारों से लैस हैं या केवल परमाणु ऊर्जा से संचालित हैं परन्तु ट्रंप की इस घोषणा ने पूरे विश्व को चिंतित जरूर कर दिया है। रूस की ओर से भी यह बता दिया गया है यह दोनों ही अमेरिकी पनडुब्बियां उसके निशाने पर हैं। गोया दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। सवाल यह कि राष्ट्रपति ट्रंप को किसी देश की अर्थ व्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था कहने का क्या अधिकार है ? वैसे भी विश्व बैंक, आईएमए? सहित और भी कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3-6.7प्रतिशत अनुमानित की है। यह जीडीपी वृद्धि दर अमेरिका की 1.9प्रतिशत की तुलना में कहीं ज़्यादा है। इन आंकड़ों से ही पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत नहीं बल्कि जीवंत है और साथ ही यह प्रति व्यक्ति आय कम होने के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भी एक है। सच पूछिये तो आज यूक्रेन भी जिस बुरे दौर से गुजर रहा है उसका कारण भी यूक्रेन को दिया जाने वाला अमेरिकी व नाटो समर्थन ही है। यानी यूक्रेन, अमेरिका की दोस्ती का नतीजा भुगत रहा है और अमेरिका यूक्रेन का साथ देने के बजाये इसमें भी व्यवसाय कर रहा है। इसी तरह पिछले दिनों ईरान ने अमेरिका के घनिष्ठ मित्र देश इस्राईल को धूल चटा डाली। हाँ,युद्ध के आखरी दिनों में अमेरिका ने ईरान में मामूली बंबारी कर इस्राईल को यह जरूर जता दिया कि घबराओ मत, हम तुम्हारे साथ हैं। परन्तु तब तक ईरान ने तेल अवीव के बड़े हिस्से को खंडहर बना दिया था। इसी तरह याद कीजिये 1971 के वह दिन जब अमेरिका ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता के रूप में अपना सातवां युद्ध पोत भेजने का दिलासा दिया था। वह सातवां बेड़ा तो पहुंचा नहीं परन्तु इंदिरा गाँधी के सबल व कुशल नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो टुकड़े जरूर कर दिये। आज फिर अमेरिका उसी भारत विरोधी पाकिस्तान को हर तरह से शह देने की नीति पर चल रहा है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि जिसका दोस्त अमेरिका हो उसे दुश्मन की जरूरत ही क्या है?

- तनवीर जाफरी

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर

लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्न हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्न अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्न ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है। वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज, तेज़ी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फ़ैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

-गिरिराज सिंह

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। पूछपरख सुस्त रहने से सोमवार को अनाज मंडी में चना सुस्ती पर रहा। उड़द व मूंग में बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में भाव सुर्ख रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4500-4600 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। किराना जिंसों में नारियल में लेवाली रही। खोपरा बुरा सुर्खी पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार सुस्ती के रहे। उड़द व मूंग में मजबूती कायम रही। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन 4500-4600 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार ऊँचाइयों पर रहे। नारियलों में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4260, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1380-1400, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2230, सोया साल्वेंट 1150-1160, सोया रिफाइंड 1210-1220, कपास्या 1305-1310, धूलिया 1315, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1235,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4500-4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6450, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार तेजी के देखे गये। सोना उछलकर 101000 रू. प्रति 10 ग्राम को छू गया। वहीं, चाँदी में भी उछाल आया। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 113500, चाँदी (99) 113400, टंच 112800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 101000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.65 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बढ़कर 87.22 पर खुला। डॉलर सूचकांक में गिरावट और एशियाई मुद्राओं में तेजी के कारण भी भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। स्थानीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.22 पर खुली, जो शुक्रवार के 87.54 के बंद भाव से 32 पैसे ज्यादा है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपको किसी कानूनी मामले में भी जीत मिलेगी और आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। बिजनेस में भी आपको मन मुताबिक लाभ मिलेगा। आपकी खुशियां बढ़ेगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला यदि आपको परेशान कर रहा था, तो वह भी सुलझेगा। माता-पिता से आपको भरपूर सहयोग मिलेगा और वह आपकी कोई मदद भी कर सकते हैं। आपका कोई गुप्त राज बाहर आने से जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकती हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचें और आप अपनी सेहत का भी खास ख्याल रखें, क्योंकि कोई पुरानी समस्या आज उभर सकती है। जो आपको टेंशन देगी। आप परिवार में किसी सदस्य से किए हुए वादे को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपके रिश्तों में सामंजस्यता बनी रहेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। किसी काम को लेकर यदि आप लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो वह भी दूर हो सकता है। आपको अपनी माता जी की किसी शारीरिक समस्या को लेकर टेंशन रहेगी। आपको बिजनेस में अपने बॉस से भी जो कंनफ्यूजन है, उसे दूर करना होगा, नहीं तो इसका असर आपके कामों पर पड़ेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा, लेकिन आपके कुछ नए विरोधी भी उत्पन्न हो सकते हैं। जो आपकी छवि को खराब करने की कोशिश करेंगे। आपकी अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी और आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुके हुआ था, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। धन को लेकर आपको योजना बनाकर चलना होगा। आप अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा कर सकते हैं।

कन्या- आज आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, क्योंकि वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है। भाई-बहनों से आपकी किसी बात को लेकर वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। आपको नौकरी में मनपसंद काम मिलने की संभावना है, लेकिन आपको उसमें कोई गड़बड़ी करने से बचना होगा। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ बनी रहेगी।

तुला- राजनीति में कार्यरत लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा और वह बिना सोचे समझे किसी मामले में अपनी राय न दें। आपके बॉस से भी रिश्ते में कुछ कड़वाहट आ सकती है। आपका कोई परिजन आपके घर दावत पर आ सकता है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा, जिसके लिए आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। आपको अपनी जरूरत की आवश्यकताओं की खरीदारी पर ही खर्च करना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका धन को लेकर कोई काम नहीं रुकेगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटाने की आवश्यकता है। आप यदि कहीं घूमने फिरने जाए, तो उसमें आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा। आज आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके कामों को लेकर कोई पुरस्कार मिल सकता है। परिवार में भी आप बातों को पूरा महत्व देंगे, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। आप अपने व्यवसाय को लेकर किसी बड़े नेता से मिल सकते हैं। आपकी जल्दबाजी की आदत के कारण कोई गलती होने की संभावना है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपको पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा ध्यान देना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको अपने किसी परिजन के साथ पार्टनरशिप करने से बचना होगा। किसी दूर रह रहे परिजन से आपका कोई वाद विवाद खड़ा हो सकता है। आप दानपुण्य के कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको काफी सुकून मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको थोड़ा कामों को लेकर एहतियात बरतनी होगी। नौकरी में आपके बॉस आपकी जिम्मेदारियों को बढ़ा सकते हैं। संतान आज किसी गलत राह पर चलने की कोशिश करेगी, जिन्हें आपको समय रहते रोकना होगा। ट्रेवलिंग कर रहे लोगों को थोड़ा सा ध्यान देना होगा, तभी उनके काम पूरे होंगे। माताजी का कोई पुराना रोग उभर सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छी सफलता मिलेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप परिवार में रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए भागदौड़ में लगेंगे। परिवार में किसी सदस्य की कोई बात खराब हो सकती है। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। आप कोई फैसला अपने भाइयों की मदद से ले। आपको किसी काम को पूरा होने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह दूर होगी।

शब्दजाल - 7981

शब्दजाल में बाघ परियोजना वाले 10 क्षेत्रों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे और तिरछे हो सकते हैं।

मेलघाट, कार्बेट, रणथंभौर, बांदीपुर, कान्हा, पलामू, सुंदरवन, सरिस्का, दुधवा, इंद्रावती,

शब्दजाल - 7980 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6925

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6924

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 217 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि एकादशी 13.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 11.23 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 07.24 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.13 बजे तदनन्तर बव 01.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872427
जूलियन दिन 2460892.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.39 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.05 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.21 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.26 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.15 बजे से
राहुकाल		वृष	23.56 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	01.54 बजे से
बजे तक		कर्क	04.07 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः गुण का महत्व

धर्मराज युधिष्ठिर विद्वानों का बहुत आदर-सत्कार करते थे। एक बार उनसे दो विद्वान एक साथ मिलने आए। एक विद्वान बहुत ही सजा-संवरा था। उसने एकदम स्वच्छ श्वेत वस्त्र धारण कर रखा था, मस्तक पर चंदन का तिलक लगाया था, सिर पर पगड़ी तथा गले में रुद्राक्ष की माला धारण कर रखी थी। उसने माला फेरते हुए महल में प्रवेश किया। दूसरा विद्वान साधारण वेशभूषा में था। धर्मराज सजे-संवरे विद्वान से अधिक प्रभावित हुए, इसलिए वार्तालाप के लिए उसे ही प्राथमिकता दी। विचार-विनिमय के बाद धर्मराज ने कोषाध्यक्ष को निर्देश दिया कि उस विद्वान को उचित संख्या में स्वर्ण मुद्राएं देकर सम्मानपूर्वक विदा किया जाए। उसके बाद साधारण वस्त्रधारी दूसरे ब्राह्मण की बारी आई। धर्मराज की ओर से वार्ता अत्यंत साधारण तरीके से प्रारंभ हुई, पर धीरे-धीरे उन्हें चर्चा में आनंद आने लगा और वह विचार-विनिमय में इतने खो से गए कि कितना समय निकल गया, उन्हें पता ही नहीं चला। इस वार्ता में शास्त्रों के कठिन विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। अंत में धर्मराज ने स्वयं अपने हाथ से विद्वान को स्वर्ण मुद्राएं दीं तथा राजभवन के द्वार तक आकर विदा किया। वायुपुत्र भीम को, जो पास ही खड़े थे, धर्मराज के दोनों विद्वानों से व्यवहार का तरीका समझ में नहीं आया। उन्होंने पूछा, 'माननीय, यह क्या? प्रथम विद्वान का आरंभ में सम्मान तथा दूसरे का अंत में। कृपया इसके मर्म को समझाएं।' धर्मराज मुस्कराए, फिर बोले, 'प्रथम विद्वान ने वस्त्रों से प्रभावित करना चाहा। कुछ देर के लिए वह सफल भी रहा इसलिए वह मुझसे प्राथमिक लाभ ले गया। पर विद्वता तो वस्त्रों में नहीं, मस्तिष्क में वास करती है। वह उतना विद्वान न निकला, जितना उसका दिखावा था। दूसरा विद्वान बड़ा मनीषी सिद्ध हुआ। उसने अपना ज्ञान ऊपरी आडंबर से नहीं, विचार-विमर्श से दर्शाया। वह मेरे अनुमान से कहीं अधिक तत्ववेत्ता निकला। इसलिए मैंने उसका अंत में अधिक सम्मान कर अपनी त्रुटि को सुधारना आवश्यक समझा।'

सूडोकू नवताल- 7234

सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7233 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 8449

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8448 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी , वाहन और धातु शेयरों में उछाल के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418 अंकों के उछाल के साथ 81,018.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 157.40 बढ़कर 24,722.75 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील के शेयर में 4 फीसदी की बढ़त आई। वहीं अन्य धातु और वाहन क्षेत्र में अच्छी तेजी दर्ज की गयी। बाजार में उछाल का कारण दूनिया भर के बाजारों में आई बढत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी से आई है। बाजार में सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों मे टाटा स्टील के शेयरों में 4.31 फीसदी की बढ़त आई. इसके बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 3.55 फीसदी , अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन में 3.24 फीसदी , टेक महिंद्रा में 2.53 फीसदी , और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में 2.39 फीसदी तक की बढ़त रही।वहीं पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के शेयर सबसे अधिक 1.01 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 0.99 फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक में 0.60 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर में 0.25 प्रतिशतफीसदी , और आईटीसी के शेयर में 0.04 फीसदी की गिरावट रही। बाजार जानकारों के अनुसार धातु ओर वाहन क्षेत्र के शेयरों में आये उछाल के साथ ही अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, के साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणामों में सुधार से भी बाजार को बल मिला और वह ऊपर आया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 192 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़त के साथ ही 80,804 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,648 पर खुला। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.29 फीसदी उछल गया। इसके अलावा पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा और कमोडिटीज शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आईटी, दवा, उर्जा और निजी बैंक शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 56,635 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक नीचे आकर 17,652 पर था। वहीं अमेरिका में टैरिफ और रोजगार रिपोर्ट के ताजा डेटा के कारण शुक्रवार को बाजार लाल निशान पर बंद हुआ।

आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग शुरू हुई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग सोमवार से शुरू हुई है। तीन दिनों तक चलने वाली इस मीटिंग के बाद बुधवार को गवर्नर संजय मल्होत्रा मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी देंगे।उम्मीद है आरबीआई इस बार भी ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 प्रतिशत) की कटौती कर सकता है। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि अमेरिका के टैरिफ वॉर और ग्लोबल अनिश्चितता से जीडीपी ग्रोथ पर असर पड़ सकता है। ऐसे में आरबीआई एक आखिरी कटौती कर सकता है ताकि ग्रोथ को सपोर्ट मिल सके। आरबीआई इस साल लगातार तीन बार में ब्याज दरों में 1 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाई गई। तीसरी बार दरों में कटौती जून में हुई। फिलहाल रेपो रेट 5.50 प्रतिशत पर है। रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है, और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। यानी, आने वाले दिनों में होम और ऑटो जैसे लोन 0.50 प्रतिशत तक सस्ते हो जाएंगे।

रेपो रेट के घटने से क्या बदलाव

रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। आपके सभी लोन सस्ते हो सकते हैं और ईएमआई भी घटेगी।

अगर तेल की कीमतें बढ़ीं तो महंगा होगा ट्रांसपोर्ट, बढ़ जाएगी जरुरी सामान की कीमतें

नई दिल्ली। अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को आसमान छूने की राह पर ला दिया है। अगर यह बढ़ा तो ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। यह खबर न सिर्फ दुनिया के लिए चिंताजनक है, बल्कि आम आदमी की जिंदगी पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन का अल्टीमेटम दिया है। भारत के लिए यह खबर खास तौर पर चिंता का विषय है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया है। पहले जहां रूस से केवल 0.2 प्रतिशत तेल आता था, वहीं अब यह हिस्सा 35-40 फीसदी तक पहुंच गया है। रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है, लेकिन अगर अमेरिका के प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत को सस्ता रूसी तेल खरीदने में दिक्कत हो सकती है। इसका मतलब है कि भारत को तेल के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। तेल की कीमतें बढ़ने का मतलब है कि पेट्रोल और डीजल महंगे होंगे। इससे न सिर्फ लागत बढ़ेगी, बल्कि ट्रांसपोर्टेशन का खर्च भी बढ़ेगा। जब ट्रांसपोर्ट महंगा होगा, तो सामान की ढुलाई का खर्च बढ़ेगा। राशन, कपड़े, और अन्य जरूरी सामान की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के लिए यह बड़ा झटका होगा। तेल का इस्तेमाल केवल गाड़ियों में ही नहीं, बल्कि फैक्ट्रियों और बिजली उत्पादन में भी होता है। तेल महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिसका असर सामान की कीमतों और रोजगार पर पड़ सकता है। अगर सरकार तेल की बढ़ी कीमतों का बोझ कम करने के लिए टैक्स घटाने की कोशिश करती है, तो उसे राजस्व में नुकसान होगा। इससे सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगाव में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि विद्यालय बोलेगाव में 4 अगस्त 2025 को कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच करना, उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। सिविल अस्पताल, लांजी के चिकित्सा दल ने इस शिविर में विद्यार्थियों की गहन स्वास्थ्य जांच की और उन्हें उपयोगी सलाह प्रदान की।

चिकित्सा दल की सक्रिय भूमिका

शिविर में सिविल अस्पताल, लांजी से पधारीं डॉ. नीलिमा वाहने (आरबीएसके एमओ), सावित्री बाहेश्वर (एएनएम, आरबीएसके), सुनीता बघाड़े (आशा कार्यकर्ता), और किरण कबीरे (आशा कार्यकर्ता) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। चिकित्सा दल ने विद्यार्थियों का वजन, ऊंचाई, हीमोग्लोबिन स्तर, मलेरिया टेस्ट, और मौसमी बीमारियों की जांच की। जांच के दौरान विद्यार्थियों को उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया गया और स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

विद्यालय प्रशासन का मार्गदर्शन

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य श्री बी.आर. गुरदे और उप-प्राचार्य श्री प्रवीण चंद्र साहू के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्राचार्य श्री गुरदे ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 卐स्वस्थ शरीर ही उज्ज्वल भविष्य की नींव है। नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकते हैं। उप-प्राचार्य श्री साहू ने स्वच्छता, संतुलित

आहार, और नियमित व्यायाम की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

शिविर में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और चिकित्सकों द्वारा दी गई सलाह को ध्यान से सुना। विद्यार्थियों ने इस शिविर को न केवल अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर माना, बल्कि इसे स्वास्थ्य जागरूकता के लिए एक प्रेरणादायक कदम भी माना। कई विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना की और इसे भविष्य में भी जारी रखने की इच्छा व्यक्त की।

स्वास्थ्य शिविर का प्रभाव

यह स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ। चिकित्सकों ने मलेरिया, डेंगू, और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय सुझाए, साथ ही हीमोग्लोबिन की कमी और कुपोषण जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलाई। शिविर ने विद्यार्थियों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति समझने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

भविष्य की योजनाएं

विद्यालय प्रशासन और चिकित्सा दल ने इस बात पर सहमति जताई कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए। प्राचार्य श्री गुरदे ने कहा, हमारा प्रयास है कि हमारे विद्यार्थी स्वस्थ और सशक्त बनें, ताकि वे अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकें। चिकित्सा दल ने भी भविष्य में इस तरह के आयोजनों में सहयोग का आश्वासन दिया।

सांदीपनि विद्यालय, बोलेगाव में आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों और समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इसने न केवल विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया, बल्कि उन्हें स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित भी किया। विद्यालय प्रशासन, चिकित्सा दल, और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने इस शिविर को अत्यंत सफल बनाया। भविष्य में भी इस तरह के आयोजन समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पॉली एकेडमिक कॉलेज बिसोनी का बी.एस.सी. बी.एड. परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा ने 29 जुलाई 2025 को बी.एस.सी. बी.एड. के द्वितीय, चतुर्थ, छठवें और आठवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए। इस परीक्षा में जिले के एकमात्र प्रशिक्षण महाविद्यालय, पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी (लांजी), जो राष्ट्रीय शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त है, ने शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया।

परीक्षा परिणाम इस प्रकार हैं

द्वितीय सेमेस्टर– बायोलॉजी समूह से कशिष पाटिल ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान और गणित समूह से अदिति पटले ने 82.16 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चतुर्थ सेमेस्टर– बायोलॉजी समूह से महीमा नगपुरे ने 78 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान और गणित समूह से जिनत कावड़े ने 81 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। छठवां सेमेस्टर– बायोलॉजी समूह से वर्षा यादव ने 84 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान और गणित समूह से डॉली पटले ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आठवां सेमेस्टर– बायोलॉजी समूह में जिज्ञासा कराहे ने प्रथम और नेहा सोनवाने ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सामान्य समूह में खिलेश कारसर्पे प्रथम और मोनिका अगासे द्वितीय स्थान पर रहीं। 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों में माही चौधरी, निधि पटले, पलक मेश्राम, गायत्री पटले, अभय दरवरे, सागर लिल्हारे, पलक सोमनकर, कणिका बनोठे, पूजा, वर्षा आदि शामिल हैं। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की संस्थापक श्रीमती वंदना वैद्य, प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे, प्राध्यापक सी.एस. मेश्राम, रामस्वरूप नगपुरे, बी.सी. पटले,

उमेन्द्र नागभिडे, खेमेन्द्र उमरे, अजित बोरकर, गौरव भंडारकर, योगेश नंदनवार, राजेश गजभिए, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, श्रीमती के.के. बड़गैया और सभी शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ ने छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एकल अभियान संच लांजी के तत्वावधान में 65 नेत्र रोगियों को आपरेशन के लिए जबलपुर किया रवाना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्र सेवा और समाज निर्माण के लिए समर्पित एकल अभियान संच लांजी, अंचल बालाघाट, महाकौशल (म.प्र.) द्वारा दादा कोटेश्वर धाम, लांजी में 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन बच्चों में शिक्षा के माध्यम से संस्कार, आचरण और व्यवहार स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसी क्रम में, 27 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक नक्सल प्रभावित सुदूर ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में एकल अभियान संच लांजी, महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी, जिला अंधत्व निवारण समिति बालाघाट और देवजी नेत्रालय जबलपुर के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। लांजी नगर मुख्यालय के साथ-साथ भानेगांव, कुम्हारीकला, बहेला, साडरा, बोलेगांव, घोटी और कान्द्रीकला में आयोजित इन शिविरों में 65 मरीजों का चयन किया गया। 4 अगस्त 2025 को चयनित मरीजों को दादा कोटेश्वर धाम, लांजी से देवजी नेत्रालय, जबलपुर के लिए निःशुल्क उपचार हेतु रवाना किया गया। इस अवसर पर एकल अभियान के केंद्रीय पदाधिकारी रामेश्वर दयाल, संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, प्रभारी लखन दरवरे, महावीर इंटरनेशनल लांजी के अध्यक्ष विशाल खोंगल, पुरन सिंह भाटिया (बालाघाट),

काराभाई (गुजरात), अरशद खान, इंद्र कुमार भूते, परमेश्वर कूथे, सुभाष उरखेड़े, अजय खरगाल, जगन्नाथ नाकतोड़े, उमाकांत उपरेड, फणींद्र दुरूगकर, दुर्गा दिनेश रामटेककर, वीणा उपरेड़ सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। एकल अभियान संच लांजी का मूल मंत्र सेवा, प्रेम और शांति है। यह अभियान समाज के हर वर्ग में सेवा और प्रेम का संदेश फैलाने के लिए कटिबद्ध है। सभी धर्मों और आयु वर्ग के लोगों से आह्वान किया जाता है कि वे इस सेवा कार्य में सहभागी बनें और भेदभाव रहित समाज निर्माण में योगदान दें। एकल अभियान संच लांजी का प्रत्येक कदम समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है। आइए, मिलकर इस सेवा संदेश को विश्व स्तर तक पहुंचाएं।

पाली एकेड्मिक इंस्टीट्यूशन में मनाया गया हरित दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अपनी धरती माता के प्रति प्यार और पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाने के लिए 04 अगस्त को सी.बी.एस.ई. विद्यालय पाली एकेड्मिक संस्थान में संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता में तथा प्रबंधक संजय चौरे एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन में विद्यालय के पूर्व प्राथमिक तथा प्राथमिक कक्षाओं पहली तथा दूसरी के छात्रों की सहभागिता से ग्रीन डे (हरित दिवस) का आयोजन किया गया। इस दिन अपनी प्यारी धरती के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना को प्रदर्शित करने तथा सभी लोगों को धरती माँ को हरा-भरा बनाये रखने का संदेश देने के लिए नन्हे मुन्हे छात्र/छात्राओं द्वारा हरे रंग की वेशभूषा पहनकर जागरुक करने का प्रयास किया गया। बच्चों द्वारा पर्यावरण के प्रति सजगता फैलाने के लिए गीत, नृत्य तथा भाषण के माध्यम से संदेश दिया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन से संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य द्वारा छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए बताया गया कि हम अपनी प्रकृति का सम्मान और उत्सव मनाने के लिए हरित दिवस मनाते हैं। हमें प्रकृति के विकास के लिए हरित दिवस अवश्य मनाना चाहिए। प्रकृति हमें हमेशा वो सब कुछ प्रदान करती है जो कोई भी हमें

कभी नहीं दे सकता, जैसे ताजी हवा, ऑक्सीजन, शांति, गर्मी, सर्दी, आदि। हालाँकि ये चीज़े हमारे जीवन जीने के लिए बेहद ज़रूरी हैं। हम अपनी प्रकृति की रक्षा के लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हरित दिवस मनाते हैं। यह हमारे जीवन जितना ही जरूरी है। हम अपनी धरती माँ पर रहते हैं, सभी जीव यहीं जीवित रहते हैं, और पृथ्वी हमें वह सब कुछ देती है जो एक जीव को अंत तक जीवित रहने के लिए चाहिए। यह हमें भोजन, पानी और कई अन्य चीजें प्रदान करता है। इसके प्रति हमारा भी एक कर्तव्य है जिसका हमें पालन करना चाहिए। हमें अपनी प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए, जिसमें पौधे, पर्यावरण, पेड, नदियाँ, समुद्र, झीलें, महासागर, जलवायु आदि शामिल है। इस आयोजन के सफल संचालन में विद्यालय में कार्यरत् समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का पूर्ण सहयोग रहा।

मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में दीपक गंभीर रूप से घायल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम रिसेवाड़ा व बाघाटोला के बीच में 4 अगस्त को शाम लगभग 4 बजे दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की जबरदस्त भिड़ंत में दीपक नखाते गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे 100 डायल की मदद से सिविल अस्पताल लांजी में लाकर भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में बताया गया कि दीपक पिता तिलकचंद नखाते निवासी ग्राम टेडवा अपने एक साथी के साथ चहेली गया था एवं वहां से लांजी के लिए लौट रहा था। वहीं लांजी की ओर से खांडाफरी निवासी गणेश पिता हरिचंद मरकाम 24 वर्ष जिसकी मां रिस्तेदारी में नवाटोला को जाना बताकर घर से निकली थी, जो कि नवाटोला नहीं पहुंचने की जानकारी पर गणेश अपनी मां को ढुंढने मोटरसाइकिल से जा रहा था कि ग्राम रिसेवाड़ा व बाघाटोला के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस घटना में दोनों मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई तथा दीपक नखाते को गंभीर चोटें आई तो वहीं उसके साथी को कुछ भी चोटें नहीं आई, तथा सामने से आ रहे गणेश मरकाम को भी मामूली चोटें आई। डॉ अक्षय उपराड़े द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार कर गंभीर

रूप से घायल दीपक को उच्च उपचार हेतु रिफर किए

हाऊबाग जैन मंदिर के सामने युवाओं ने किया भण्डारा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दादा कोटेश्वर की ऐतिहासिक नगरी में पुरे वर्ष भर भक्तों की भीड़ बनी रहती है एवं भक्त भगवान कोटेश्वर के दर्शन एवं जल चढ़ाने के लिए लालायित रहते हैं । इसी के चलते सावन मास में यहां जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर दूर से कांवड़ में जल लेकर नंगें पांव यहां पहुंचते हैं । भक्तों की यह आस्था दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है । तो वहीं इन कांवड़ियों का जगह जगह स्वागत एवं भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 4 अगस्त सावन के चौथे सोमवार को नगर के जैन मंदिर के सामने

हाऊबाग के युवाओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में शिवभक्तों व कांवड़ियों ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। इस भंडारे के आयोजन में सुरेन्द्र बडगैया, दिनेश रामटेक्कर, राहुल बिसेन, संजय मस्करे, दिनेश पांचे, जे एल धारणे, टी एल कटरे, नरेन्द्र सातपुते, दुर्गेश ब्रह्मपुरे, गणपत बिलगौर, गजेन्द्र मेश्राम, ओंकार रतोने, राजा सातपुते, विजय मोहारे, आलोक चौरसिया, अश्विनी कश्यप, महेन्द्र बडगैया, नरेन्द्र बडघैया, विकास तिड़के, रविन्द्र धारणे, राजू कलपुरे, प्यारेलाल नगपुरे, संजू वासनिक, सुरेश सोलंकी, दीपक विश्वकर्मा, वैभव लक्की ठाकरे, रूपचंद तिड़के, राजू मस्करे, रेखराम गोदुले, महेंद्र मस्के, नंदकिशोर लिल्हारे, मनोहर मेश्राम, बेनीराम तिड़के, हेमंत देवगढ़े, पुनीत खानोरकर आदि ने सहयोग प्रदान किया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बारिश के समय आवास छीनना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

विधानसभा में उठा वन अधिकार पट्टों का मुद्दा, विजय शाह ने दिया जवाब, सीएम ने कहा

भोपाल। विधानसभा के मानसून सत्र के छठे दिन सोमवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश में साढ़े तीन लाख वन अधिकार पट्टे निरस्त करने का मामला उठाया। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि आदिवासियों की जमीनें जबरन छीनीं जा रही हैं। कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही आदिवासियों को सबसे ज्यादा 26,500 वन अधिकार पट्टे बांटे गए। बारिश में किसी भी आदिवासी को नहीं हटाया जाएगा। सदन में जन जातीय कार्य मंत्री विजय शाह भी मौजूद रहे। उन्होंने ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि सैटेलाइट इमेज के जरिए दिसंबर 2005 की स्थिति की जानकारी लेकर वन अधिकारी पट्टों के मामले में निर्णय किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि एमपी में 2005 के बाद से पट्टे नहीं मिले। सैटेलाइट इमेज का उपयोग ही नहीं किया था भोले भाले आदिवासियों से ऑनलाइन फॉर्म भरवाए जाते हैं और आवेदन पेंडिंग कर दिए जाते हैं। इसके जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्रों में एक पट्टा नहीं दिया गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एआई का उपयोग करने की बात कही। जिस पर मंत्री विजय शाह ने जवाब देते हुए कहा कि सेटेलाइट इमेज पब्लिक डोमेन में डाल रहे हैं। जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने सदन में ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि सैटेलाइट इमेज के जरिए दिसंबर 2005 की स्थिति की जानकारी लेकर वन अधिकारी पट्टों के मामले में निर्णय किया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से 2005 की स्थिति में किसका कब्जा था यह भी साफ हो जाएगा और पट्टों के वितरण की स्थिति भी स्पष्ट हो जाएगी।

वन क्षेत्रों में जो आदिवासियों की मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने उठाया ठोस कदम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में कहा कि वन क्षेत्रों में जो आदिवासियों की मूलभूत सुविधाएं कैसे बढ़ाएं, पट्टे कैसे देंज् हमारी सरकार ने न केवल इस दिशा में ठोस कदम उठाया है बल्कि आदिवासियों को सुविधाएं भी दी हैं। सरकार किसी भी आदिवासी को परेशानी में नहीं देखना चाहेगी। हमारे यहां हजारों सालों से वन ग्राम है तो क्षेत्र में विकास हो उसके लिए सरकार खड़ी है।

अधिकारियों को दिए बारिश में आवास न छीनने के निर्देश

सीएम ने आए कहा कि आज ध्यान आकर्षण में यही संकल्प लेते हैं कि हम आदिवासियों का पूर्ण रूप से ख्याल रखेंगे। धरती आबा योजना और अन्य योजना आदिवासियों के लिए है। आदिवासियों के विकास के लिए विपक्ष भी साथ में बैठना चाहे तो हम साथ में बैठने को तैयार है। दलगत भावना से ऊपर उठकर आदिवासियों के विकास के लिए काम करेंगे। बारिश के समय किसी का आवास छीनना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस-भाजपा में सवाल-जवाब

कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि साढ़े तीन लाख लोगों के आवेदन पर सर्वे करने की कार्रवाई की जाएगी। जो आवेदन खारिज किए गए हैं क्या उनको एक समय सीमा में सर्वे करा कर पात्रता के आधार पर पट्टे दिए जाएंगे। जिनके पट्टे निरस्त हुए हैं उनको लेकर सरकार की क्या रणनीति है। कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने कहा कि मंत्री कह रहे हैं कि पट्टे न दिए जाने से कोई आक्रोश नहीं है। सामुदायिक वन प्रबंधन के अधिकार मध्य प्रदेश के किसी भी ग्राम सभा को नहीं मिला है। और न ही 15 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा के आधार पर यह राशि दी गई है।भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौड़ ने कहा कि भितरवार विधानसभा क्षेत्र में 80 प्रतिशत आदिवासी निवास करते हैं। इसे लेकर एक कमेटी बनाई गई थी जिसमें मैं भी शामिल था, लेकिन आज तक उसकी रिपोर्ट नहीं आई है। कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी ने कहा कि वनमित्र पोर्टल बनाया गया है। इसके लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू है। नेटवर्क की दिक्कत के कारण ओटीपी नहीं आ पाते हैं। इसलिए ऑफलाइन भी समस्या सुनने की व्यवस्था की जाए। नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि वन क्षेत्रों की सीमा से लगे गांव में फेंसिंग का कार्य कराया जाए ताकि उनकी फसल सुरक्षित रहे।

मंत्रियों ने दिए ये जवाब

वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि तीन स्तर की समितियों के द्वारा आए हुए दावों की जांच की जाती है। जो यह तय करती है कि जो दावे आए हैं वाह मान्य हैं या नहीं है। उमंग सिंघार भी 2018 में वन मंत्री थे, लेकिन एक भी वन अधिकार के पट्टे नहीं बांटे। पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पेसा की लगातार मॉनिटरिंग होती है। राज्यपाल खुद इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। ग्राम सभा ग्राम पंचायत की भी ग्राम सभा है। उसे वित्तीय अधिकार भी है, जिसके फैसले वह ले सकती है। पेसा एक्ट में जो भी और कमियां है, उस लगातार संशोधित किया जा रहा है।

124 इंजीनियरिंग कॉलेज में खाली रह गई 40 हजार सीटें

- अब कॉलेज सीएलसी राउंड में लगा रहे जोर

भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) द्वारा प्रदेश के 124 इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश देने के लिए कराई गई काउंसलिंग खत्म हो चुकी है। दूसरे राउंड तक की काउंसलिंग में 33,046 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की 40 हजार 516 सीटें खाली रह गई हैं। अब कॉलेजों को सीएलसी राउंड में एडमिशन बढने् की उम्मीद है। कॉलेजों में शनिवार से सीएलसी राउंड की शुरुआत की गई है। अब खाली सीटों को भरने के लिए कॉलेज पूरी ताकत लगा रहे हैं।

कॉलेज लेव्ल काउंसलिंग (सीएलसी) शनिवार से शुरू हो गई। नो जो छात्र पहले दो राउंड में एडमिशन से वंचित रह गए हैं, उनके लिए अब मौका है। सीएलसी के तहत रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 5 अगस्त तक चलेगी। छात्र सीधे अपने पसंदीदा कॉलेज पहुंचकर सीट कंफर्म कर सकते हैं। यदि इसके बाद भी सीटें खाली रहती हैं तो 7 अगस्त से अगला रजिस्ट्रेशन चरण शुरू होगा। पूरी प्रक्रिया 14 अगस्त तक चलेगी।

पहले और दूसरे राउंड की स्थिति

विभाग ने पहले राउंड में 23,765 विद्यार्थियों का अलॉटमेंट जारी किए थे। इसमें से करीब 15 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। दूसरे राउंड की काउंसलिंग में 22,431 विद्यार्थियों को कॉलेज आवंटित किए गए हैं। इसमें 13,076 विद्यार्थी 12वीं के आधार पर शेष 9355 विद्यार्थियों को जेईई मेंस के आधार पर कॉलेज दिए गए हैं। इसमें से 17,800 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए हैं। दूसरे राउंड में प्रवेश लेने करीब 24,400 विद्यार्थियों ने चॉइस फिलिंग की थी। इसमें 10,931 विद्यार्थी जेईई मेंस और 12वीं के आधार पर चॉइस देने वाले 13,464 विद्यार्थी शामिल थे। अभी प्रदेश में 40 हजार से ज्यादा सीटें खाली बनी हुई हैं। यह सीटें अब कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) से भरने की उम्मीद है।

सीएमओ ने मंगाई निगम-मंडलों में नियुक्ति संबंधी जानकारी

भोपाल। प्रदेश सरकार ने निगम, मंडल, प्राधिकरण एवं निगमों में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति की कवायद शुरू कर दी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय ने सभी विभागों से उनके अधीन निगम, मंडलों में कार्यरत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की पिछले 7 साल की जानकारी बुलाई है। ज्यादातर विभागों ने मुख्यमंत्री कार्यालय को निर्धारित प्रारूप में जानकारी भेज दी है। खास बात यह है कि राजनीतिक नियुक्ति वाले लगभग सभी निगम, मंडल एवं प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य पद खाली हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने विभागों से एक निर्धारित प्रारूप में जानकारी मांगी है। जिसमें निगम, मंडलों में 2018 से 2023 के बीच नियुक्त किए गए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों के नाम, 2023 के बाद नियुक्त किए गए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अलावा वर्तमान अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की जानकारी अलग-अलग मांगी गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय की इस कवायद को निकट भविष्य में निगम, मंडल एवं प्राधिकरणों में होने वाली नियुक्तियों से जोडक़र देखा जा रहा है। हाल ही में सरकार ने मप्र पिछड़ा वर्ग आयोग में अध्यक्ष पद पर पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमारिया की नियुक्ति की है।

प्रदेश में ज्यादातर निगम, मंडल, प्राधिकरण खाली पड़े हैं। हालांकि कुछ विभागों में निगम, मंडल के अध्यक्ष का दायित्व विभाग के मंत्री को ही सौंप रखा है। जिसमें लगभग सभी प्रमुख निगम, मंडल एवं प्राधिकरण शामिल हैं। बताया गया कि भाजपा संगठन में प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के बाद निगम-मूंडलों में नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो सकता है। यदि इस महीने भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा होती है तो अगले महीने चुनिंदा निगम-मंडल एवं प्राधिकरणों में नियुक्तियां शुरू हो जाएंगी।

जिन नेताओं को भाजपा संगठन में प्रमुख दायित्व नहीं मिलेगा, उन्हें निगम-मंडल प्राधिकरणों में जगह मिल सकती है। बताया गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान दूसरे दलों से आने वाले कुछ नेताओं को भी निगम,मंडलों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। विधानसभा, लोकसभा चुनाव में टिकट के दावेदार रहे कुछ नेताओं को भी निगम-मंडलों में पद मिल सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में प्रदेश की स्थिति मिली सबसे खराब

प्रदेशभर में 25 लाख से अधिक वाहनों में लगेगी हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट, परिवहन विभाग ने जारी किए निर्देश

- हेलमेट पहनाने के बाद अब वाहनों की नम्बर प्लेटें बदलवाएंगे

भोपाल। बीते अनेक वर्षों से वाहन चालकों को जहां हेलमेट पहनाए जा रहे हैं तो उसके साथ नम्बर प्लेटें बदलवाने का भी खेल चलता रहा। अब नए सिरे से वाहनों की चेकिंग शुरू होगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों सभी राज्यों की जो रिपोर्ट प्रस्तुत हुई उसमें मध्यप्रदेश की स्थिति सबसे दयनीय पाई गई और अभी भी 25 लाख से अधिक वाहनों में ये हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेटें लगना शेष हैं, जिसके चलते अब हेलमेट के साथ-साथ नम्बर प्लेटों को लेकर भी चालानी कार्रवाई शुरू होगी। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने इस संबंध में कार्रवाई के लिए परिवहन आयुक्त सहित सभी आरटीओ को निर्देश दिए हैं।

जिस तरह अभी बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है, उसी तरह हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहनों की भी कई तरह की सेवाएं बंद की जाएंगी, जिनमें डुप्लीकेट पंजीयन प्रमाण पत्र, पता बदलवाना, वाहन का मालिकाना हक किसी और को ट्रांसफर करना, फिटनेस प्रमाण-पत्र सहित अन्य सेवाओं पर रोक लगाई जाएगी। अभी सचिव सिंह ने परिवहन आयुक्त को जो पत्र लिखा है उसमें कहा गया है कि उसमें पीयूसी प्रमाण पत्र भी बिना हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट के जारी नहीं किए जाएं। उल्लेखनीय है कि 1 अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड हुए वाहनों में हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेटें डीलर के यहां से ही अनिवार्य लगवाना अनिवार्य किया गया है। बावजूद इसके कई वाहन बिना हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट के ही दौड़ रहे हैं और ऐसे वाहनों की संख्या इंदौर सहित प्रदेशभर में 25 लाख से अधिक बताई गई है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में जब सभी राज्यों की तुलनात्मक स्थिति प्रस्तुत की गई तो उसमें मध्यप्रदेश की हालत सबसे खराब निकली, जिसके चलते अब हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेटों को लेकर भी सख्ती शुरू की जा रही है। परिवहन विभाग ने एचएसआरपी प्लेट बदलने का कार्य आगामी 3 माह में पूर्ण करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारियों को दिए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अपने जिले के समस्त डीलरों से निरंतर सम्पर्क में रहते हुए वाहनों में एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगाई जाए। जिन वाहनों में एचएसआरपी नहीं है उन्हें पॉल्यूशन अंडरकंट्रोल सेंटर द्वारा प्रमाण पत्र, डुप्लीकेट पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) जारी करने, पंजीकरण प्रमाण पत्र में पता बदलना, शुल्क देकर आरसी विवरण देखना संभव नहीं हो सकेगा। साथ ही वाहनों के स्वामित्व बदलने, हाइपोथिकेशन जोडऩा और हटाना, नवीन-डुप्लीकेट परमिट जारी करना, परमिट का हस्तांतरण और नवीनीकरण, कराधान प्राधिकार के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना और वाहन का पंजीयन निरस्तीकरण करना संभव नहीं हो सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि वाहन की स्थायी-अस्थायी अनुज्ञाएं जारी करने, डुप्लीकेट फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने सहति अन्य सुविधाएं मोटर मालिकों को नहीं मिल सकेंगी।

आठवीं पास 70000 बच्चों का नवमी में पंजीयन नहीं

- 13 साल से कम बच्चों का 1 साल बर्बाद

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नवमी कक्षा के छात्रों की उम्र 1 अप्रैल को कम से कम 13 वर्ष होनी चाहिए। यदि एक दिन भी कम है, तो माध्यमिक शिक्षा मंडल नवमी में उनका पंजीयन नहीं कर रहा है। आठवीं पास कर चुके 70000 बच्चों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है। वह अंडर एज आगे हो गए हैं।

निजी और सरकारी स्कूलों के नवमी के बच्चों का पंजीयन ऑनलाइन हो रहा है। पंजीयन के लिए 1 अप्रैल 2025 को जिन बच्चों की उम्र 13 साल पूरी हो चुकी थी। उन्हीं का पंजीयन हो रहा है। जिन बच्चों की उम्र 1 दिन भी कम है। पोर्टल उनका पंजीयन एक्सेप्ट नहीं कर रहा है।

बच्चों के अभिभावक परेशान होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। कोई उनकी बात सुनने वाला नहीं है। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने 6 माह की छूट दे रखी है। निजी एवं सरकारी स्कूलों ने शिक्षा विभाग की छूट के अनुसार नवमी में प्रवेश दे दिया था। अब पोर्टल में उनका पंजीयन नहीं हो रहा है।

नगरीय निकायों के महापौर, अध्यक्षों के खिलाफ लाया जाएगा अविश्वास प्रस्ताव

भोपाल। मप्र में एक बार फिर नगरपालिका और परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा मंडराता दिखाई दे रहा है। कई जगह अध्यक्षों के खिलाफ दबे-छिपे अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारियां हो रही हैं। इसे देखते हुए मप्र नगर पालिका अध्यक्ष संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नियम को एक बार फिर बदला जाए।

दरअसल, पिछले ही साल अगस्त में सरकार ने कानून में संशोधन कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि को 2 साल से बढ़ाकर 3 साल कर दिया था। साथ ही ये भी बदलाव किया था कि पार्षद तीन चौथाई बहुमत होने पर ही प्रस्ताव ला सकते हैं। इससे पहले ये दो चौथाई बहुमत के साथ स्वीकार होता था। नियम में संशोधन के बाद भी अब अध्यक्षों के खिलाफ प्रस्ताव लाने की तैयारी हो रही है। इसमें खास बात ये है कि बीजेपी के ही पार्षद अपने पार्टी अध्यक्ष के खिलाफ बगावत करने पर आमादा है। पढ़िए किन वजहों से सरकार ने नियम बदला था और इस समय किस तरह से राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं।

5 साल की मांग की थी, एक साल बढ़ाया

मप्र नगर पालिका अध्यक्ष संघ ने नगर पालिका और परिषद अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की मियाद 5 साल करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। इसके लिए एक पत्र भी लिखा है।

मप्र की 60 मार्बल खदानों में से 50 बंद

भोपाल। मध्य प्रदेश में 1998-99 में मार्बल की खदानों से खनन का काम शुरू हुआ था। इसके पहले मध्य प्रदेश में मार्बल की खदाने नहीं थी। जबलपुर जिले और कटनी जिले के

स्लीमानाबाद,बहोरीबंद एरिया में अच्छी क्वालिटी का मार्बल निकला था। लगभग 60 खदानों से मार्बल निकलना शुरू हुआ था। मध्य प्रदेश के मार्बल ने राजस्थान के मार्बल को प्रतिस्पर्धा देना शुरू कर दिया था। वंडर मार्बल भी यही से निकला था।

पिछले वर्षों में मध्य प्रदेश शासन की उपेक्षा, पर्यावरण की अनुमति समय पर नहीं मिलना, मध्य प्रदेश की रॉयल्टी राजस्थान की तुलना में ज्यादा होना। सरकारी विभागों के भ्रष्टाचार के चलते मध्य प्रदेश के 50 मार्बल उद्योग बंद हो गए हैं। मात्र 10 उद्योग ही चल रहे हैं। यह भी धीरे-धीरे बीमार होते चले जा रहे हैं। कब दम तोड़ देंगे, पता नहीं। मार्वल कारोबारियों के अनुसार राजस्थान में मार्बल की रॉयल्टी 900 रूपये प्रति क्यूबिक मीटर है। मध्य प्रदेश में 1200 रूपये प्रति क्यूबिक मीटर के हिसाब से वसूल की जा रही है। मार्बल पर जीएसटी 5 फीसदी से बढाकर 18 फ़ीसदी कर दी गई है। मध्य प्रदेश के मार्बल में क्रैक भी पाए जाते हैं। जिसके कारण मध्य प्रदेश की खदानें ज्यादा रॉयल्टी, भ्रष्टाचार,पर्यावरण की अनुमति समय पर नहीं मिलने के कारण एक-एक करके बंद होते चले जा रहे हैं।

फर्जी निकला विधायक मसूद का कॉलेज : विस में हुआ हंगामा, मंत्री बोले होगी एफआईआर

भोपाल। मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के आज 6वें दिन विधायक आरिफ मसूद के कालेज को लेकर हंगामा हुआ। प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मामले को उठाते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में फर्जी सॉल्वेंसी के माध्यम से कारोबार किए जा रहे हैं। 2010 में इसको लेकर हुई जांच में अब तक जांच प्रतिवेदन नहीं आया है।

इसके जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि अपर कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर से साल्वेंसी जारी करने का मामला सामने आने के बाद इस मामले में जांच बताई गई और कार्रवाई की गई। जिस रजिस्ट्री के नाम पर सॉल्वेंसी जारी की गई थी वह रजिस्ट्री ही फर्जी निकली है। इसके आधार पर 2025 में उस महाविद्यालय की मान्यता समाप्त कर दी गई है। उसमें एफआईआर भी कराई जाएगी।

इसी बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई और हंगामा भी हुआ लेकिन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मामले को शांत कर दिया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भोपाल विधायक आरिफ मसूद के कॉलेज की रद्द की गई मान्यता को लेकर कहा कि पहले उच्च शिक्षा विभाग ने अनुमति जारी की, फिर अनुचित तरीके से उसे रद्द कर दिया गया। उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने कॉलेज की जमीन की रजिस्ट्री फर्जी बताकर एफआईआर कराने का ऐलान किया। विधानसभा में जवाब देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि कॉलेज की अनुमति जमीन की फर्जी रजिस्ट्री के कारण रद्द की गई है। फर्जी रजिस्ट्री के आधार पर सॉल्वेंसी बनाई गई थी। जांच में धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है और इस मामले में अब एफआईआर दर्ज की जाएगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कॉलेज चलाया जा रहा था। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे कॉलेज में किस तरह की उच्च शिक्षा दी जा रही होगी और ऐसे कार्यों को संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।

मान्यता वापस लेने की वजह

भोपाल में संचालित इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज को मई 2025 में अस्थायी मान्यता दी गई थी, लेकिन विभाग की जांच में सामने आया कि कॉलेज द्वारा जरूरी दस्तावेज और शर्तें पूरी नहीं की गई थीं। साथ ही, निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं भी पाई गईं। इन्हीं आधारों पर सत्र 2025-26 की अंतरिम मान्यता उच्च शिक्षा विभाग ने वापस ले ली थी। यह कॉलेज भोपाल मध्य क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का है।

वाहनों के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग

भोपाल। स्थानीय निधि संपरीक्षा की ऑडिट रिपोर्ट में चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में कुछ अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी करके वाहनों और टेलीफोन के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। यह एक गंभीर मामला है जिसमें अधिकारियों ने सरकारी नियमों का पालन नहीं किया और वित्तीय अनियमितताएं की हैं। इससे सरकार को करोड़ों रूपए की चपत लगी है।

ऑडिट रिपोर्ट बताती है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में कुछ अधिकारियों ने सरकारी नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने वाहनों और टेलीफोन के उपयोग में नियमों का पालन नहीं किया और इस तरह से सरकारी धन का दुरुपयोग किया। इसका मतलब है कि उन्होंने संभवत- निजी लाभ के लिए या बिना किसी उचित कारण के सरकारी वाहनों और टेलीफोन का उपयोग किया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा। यह एक गंभीर मामला है क्योंकि यह न केवल वित्तीय अनियमितता है, बल्कि यह सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार को भी दर्शाता है। जब अधिकारी ही नियमों का पालन नहीं करेंगे, तो आम जनता का विश्वास सरकार से उठ जाएगा।

14.5 करोड़ नियम विरुद्ध व्यय

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि नियम अनुसार वाहनों पर 18 हजार रुपए प्रति माह खर्च करने का प्रावधान है लेकिन 40 हजार रुपए तक वाहनों के नाम पर किराया भुगतान किया गया। वाहन टेंडर प्रक्रिया से लेने के बजाय अपने रिश्तेदारों और परिचितों की वाहन लगा लिए। स्थानीय निधि संपरीक्षा की ऑडिट रिपोर्ट में चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। इसमें बताया गया कि पंचायतों में विकास के नाम पर मिली राशि में से 14.5 करोड़ रुपए नियम विरुद्ध व्यय कर दिए गए। विभाग के अधिकारियों, बाबू और सरपंचों ने मिलकर लाखों रुपए अपने निजी कामों में लगाकर गड़बड़ी की।

जनपद और ग्राम पंचायतों में भी अनियमितताएं

रिपोर्ट में जनपद और ग्राम पंचायतों में भी अनियमितताएं सामने आई हैं। बड़वानी जिले में 18 हॉर्स पॉवर से अधिक के वाहनों की मरम्मत के लिए 1 लाख 31 हजार रु. से ज्यादा राशि खर्च की गई। जबकि इसके लिए 15 हजार रु. वार्षिक खर्च निर्धारित है। वहीं प्रति माह 95 लीटर डीजल की जगह पर 150 लीटर से ज्यादा खर्च हुआ। इस पर दो लाख रु. खर्च किए गए। सीधी जिले में जनपद पंचायत ने संभागायुक्त को खुश करने के लिए तमाम विकास कार्यों के फंड से 95 हजार से अधिक राशि का उनके वाहन के लिए भुगतान कर दिया। मुरैना जिला पंचायत में क्लर्क डीपी शर्मा ने दो लाख रु. से ज्यादा राशि खाते में जमा करने के बजाय अपने कामों में खर्च कर दी। अमरवाड़ा सीईओ ने दस हजार रुपए पंचायत निधि में जमा करने के बजाय निजी कार्य में खर्च कर दिए। किरनपुर जनपद पंचायत में सरपंच लेखेश्वरी बिसेन, सचिव रामगोपाल ने 73 हजार रुपए का गबन किया। डिंडोरी जिले की जनपद पंचायत में सरपंच ने परमेश्वर योजना में तीन लाख रुपए की गड़बड़ी कर दी। संपरीक्षा ने प्रदेश के 11 जिला पंचायत, 48 जनपद पंचायत और साढ़े चार हजार से अधिक संस्थाओं को केंद्र और राज्य सरकार के माध्यम से दी गई राशि के उपयोग के दस्तावेजों का निरीक्षण किया है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित सभी संस्थाओं को अवगत कराया जाएगा। जिससे दोषियों से वसूली और उन पर कार्रवाई होगी, जिससे इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति नहीं की जा सके। छिंदवाड़ा जनपद पंचायत हर्रई में छात्रवृत्ति वितरण में 2.44 लाख रुपए और प्रिंटिंग में 1.77 लाख रुपए भुगतान किया गया।

मोहम्मद - कृष्णा की शानदार गेंदबाजी से भारत 6 रनों से जीता, सीरीज 2-2 से ड्रॉ

प्लेयर ऑफ द मैच मो सिराज-प्लेयर ऑफ द सीरीज शुभमन , हैरी

ओवल। भारत ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में छह रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर दी है। मैच के अंतिम दिन मेजबान टीम इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनों की जरुरत थी और उसके पास चार विकेट थे पर वह 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी और 367 रन पर सिमट गयी।

मेजबान बल्लेबाज बेहद रोमांचक मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के सामने टिक नहीं पाये। सिराज ने 5 विकेट जबकि कृष्णा ने 4 विकेट लिए। सिराज ने गस एटकिंसन का विकेट लेकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम पहली पारी में 224 रन बना पायी थी। भारत की ओर से करुण नायर से 57 और साईं सुदर्शन ने 38 रनों की पारी खेली। वहीं जवाब में इंग्लैंड भी अपनी पहली पारी में 247 रन बना सकी और उसे केवल 23 रनों की ही बढ़त मिली। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 64 और हैरी ब्रूक ने 53 रन बनाए। वहीं इसके बाद दूसरी पारी में भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। भारत ने यशस्वी के शतक से दूसरी पारी में 396 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप ने 107 रनों की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने 118 रन बनाए, जबकि आकाश दीप 66 रन बना सके। वहीं, रवींद्र जडेजा ने 53 और वाशिंगटन सुंदर ने 53 रन बनाए।

इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जैक क्रॉली (14) और बेन डकेट (54) के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। कप्तान ओली पोप (27) जब आउट हुए, उस समय टीम ने तीन विकेट 106 रनों पर खो दिये। यहां से जो रूट ने हैरी ब्रूक के साथ 195 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया। रूट ने 105 रन बनाए, जबकि ब्रूक ने 111 रन की पारी खेली। अंतिम दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन की जरुर पर पूरी टीम 347 के स्कोर पर जेमी स्मिथ का विकेट निकालने के बाद 367 रन पर सिमट गयी।

वहीं चौथे दिन इससे पहले हैरी ब्रूक 111 रन और जो रूट 105 रन) की शतकीय पारियों के बाद दिन के आखिरी सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा 109 रन पर तीन विकेट और मोहम्मद सिराज 95 रन पर दो विकेट की शानदार गेंदबाजी से रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। जीत कलिए रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए मेजबान टीम चौथे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 339 रन बना पायी।

दिन के आखिरी सत्र में अंपायरों ने लाइट मीटर से प्राकृतिक रोशनी को मापने के बाद खेल को रोकने का इशारा किया। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा। इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था। अंपायरों ने शाम के छह बजे (स्थानीय समय) दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी। भारतीय गेंदबाजों ने दिन की शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हैरी ब्रुक ने क्रीज पर आते ही आक्रामक बल्लेबाजी कर उन पर दबाव बना दिया।

ब्रुक ने कृष्णा की गेंद पर मोहम्मद सिराज से 19 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अपनी आक्रामक पारी में 14 चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी से अपनी टीम को मैच में वापसी करायी। रूट भी दिन के आखिरी सत्र में श्रृंखला में लगातार तीसरा शतक पूरा कर सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए।

इस सीरीज का पहला मैच मेजबान टीम ने जीता था। वहीं दूसर टेस्ट भारत ने जीतकर सीरीज में वापसी की तीसरा टेस्ट जीतकर इंग्लैंड ने बढ़त ली पर चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा । भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराकर कर दी।

सिराज ने इंग्लैंड के जबड़े से छीनी जीत, सीरीज 2-2 से बराबर

-ओवल में टीम इंडिया की रोमांचक जीत, ब्रुक और रूट के शतक बेकार, सिराज चमके

भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में छह रन से जीत हासिल की है। भारत ने 374 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 367 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक विकेट लिया। इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई। शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है। किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था। हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया।

भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और

374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रुक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी। जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सिराज दौड़ पड़े और भारतीय खिलाड़ी उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 13 रनों से हराकर टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 13 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से जीत ली है। तीसरे मैच में पाक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 189 रन बनाए। फरहान ने 74 रन जबकि सईम अयूब ने 66 रन बनाये। वहीं विरोधी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 176 रन ही बना पायी। टीम की ओर से एलिक एथनाज ने 60 रन जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 51 रन बनाए पर अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। पाक की ओर से हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट लिया।

वेस्टइंडीज को सातवीं टी20 सीरीज में हराया

पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों ही मैच जीत लिए थे। साल 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से सभी मैच जीत थे जबकि जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीती थी। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी पर तब दो मैचों के परिणाम नहीं निकले। वहीं बचे हुए एममात्र मैच को पाक ने सात रन से जीतकर सीरीज पर 1-0 से कब्जा कर लिया था। वहीं साल 2021 और 2022 में पाक ने अपनी धरती पर वेस्टइंडीज को 3-0 से हराया था। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है।

आईसीसी आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें पर भी ध्यान दे - गूच

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ही टेस्ट सीरीज होने से नीरसता आयेगी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को टेस्ट क्रिकेट का अस्तित्व बचाने के लिए उसपर ध्यान देना चाहिये। गूच के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों के ही आपस में ही अधिक खेलने से खेल में नीरसता आयेगी। वहीं वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें केवल दो या तीन मैच की सीरीज में ही भाग लेती हैं। ऐसे में आईसीसी को इन देशों के साथ भी अधिक टेस्ट सीरीज आयोजित करने पर विचार करना चाहिये।

गूच ने कहा, "मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे सहायता की जा सकती है। मैं छोटे देशों की बात नहीं कर रहा बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात कर रहा हूं।" गूच ने कहा, "अगर आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है तो आप केवल तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। ऐसे में अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल में सहयोग की जरुरत है' भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैच की सीरीज में कड़े मुकाबले हुए हैं। जिन्हें क्रिकेट के भविष्य के लिए गूच सकारात्मक कदम मानते हैं। गूच नजदीकी मैचों में पैदा हुए रोमांच से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, "यह एक शानदार सीरीज रही है और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद अच्छी है क्योंकि हम जानते हैं कि आजकल लीग फ्रेंचाइजी क्रिकेट दुनिया भर में छाया हुआ है और टेस्ट क्रिकेट पहले से ही दबाव में है।"

गूच ने कहा, " इस तरह की सीरीज में काफी रोमांच, काफी अच्छा क्रिकेट, ढेर सारे रन, शानदार गेंदबाजी, और रोमांच देखने को मिलता है। जिससे असल में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।" उन्होंने कहा, "दोनों टीमों ने काफी जुनून दिखाया है। मुझे लगता है कि यह शानदार रहा है।" करीब 45 हजार प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले गूच ने कहा कि रोहित और विराट के संन्यास के बाद भारतीय टीम को अनुभवी कहा जा रहा रहा था पर न्हें हमेशा उम्मीद थी कि भारत मेजबान टीम को कड़ी टक्कर देगा जो सही साबित हुआ।

मोर्केल ने कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा

ओवल । भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जो जादुई गेंदें फेंकते हैं। इसलिए उन्हें लंबे समय तक के लिए टीम में अवसर दिये जाने की जरुरत है। मोर्केल ने इसलिए कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा है कयोंकि चौथे दिन एक समय मेजबान टीम ने 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट पर 301 रन बना लिए थे पर इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 3 विकेट लिए। मोर्केल ने प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की जमकर तारीफ की। साथ ही कहा कि कृष्णा का भी इस दौरे पर आत्मविश्वास लौटा है। अगर पहले टेस्ट मैच से आज तक देखें, उसकी निरंतरता,

उसकी लाइन-लेंथ में काफी सुधार हुआ है. मुझे विश्वास है कि वह भारत के लिए बहुत अच्छा टेस्ट गेंदबाज बन सकता है।'

मोर्ने मोर्केल ने कहा, 'उसे केवल थोड़े समय और आत्मविश्वास की जरूरत है। फिर तो वह हर स्पेल में ऐसा खिलाड़ी है जो आपके लिए अतिरिक्त उछाल और गति के साथ जादुई गेंदें करने जा सकता है।' वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भी सिराज और प्रसिद्ध की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कृष्णा शानदार खिलाड़ी है! भारत के लिए खेलने का मतलब ही है कि आज प्रतिभाशाली हैं।' वहीं रूट ने कृष्णा के साथ हुई बहस को लेकर कहा कि 'हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था जो परेशानी का कारण हो। वहीं कृष्णा ने कहा था कि वह मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं।

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अग स्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रौत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा।

वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रौत्साहन मिलेगा।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं।

रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले

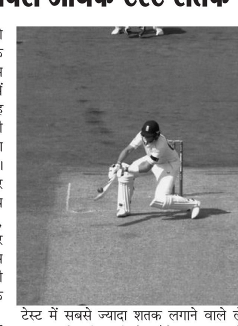

टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के नाम सबसे अधिक 19 शतक हैं जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ लगाये थे।

पीसीबी ने अपने क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में भाग लेने पर रोक लगायी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने पूर्व क्रिकेटरों को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भाग लेने पर रोक लगा दी है। पीसीबी ने कहा है कि उसने ये फैसला आयोजकों के भेदभाव पूर्ण रवैये को देखते हुए लिया है। डब्ल्यूसीएल में भारतीय टीम ने पाकिस्तान से खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही पीसीबी भड़का हुआ है। उसका कहना है कि आयोजकों ने अंक बांटने में भी पक्षपात किया। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के बाद में कहा, "पीसीबी भविष्य में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में अपने खिलाड़ियों के भाग लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है।"

पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल द्वारा भारत को अंक देने के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि इस प्रकार का फैसला भेदभाव ही कहा जाएगा क्योंकि भारतीय टीम के मैच से हटने के बाद अंक बांटने की जरुरत ही नहीं थी।।" भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण में मुकाबला होना था पर भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में पाक से खेलने से इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में भी उससे नहीं खेलने का फैसला किया जिससे पाक सीधे फाइनल में पहुंच गया। पीसीबी ने कहा कहा, " हमने डब्ल्यूसीएल के जानबूझकर मैच गंवाने वाली टीम को अंक देने के फैसले की समीक्षा की। इसके अलावाभारत बनाम पाकिस्तान लीजेंड्स मैचों को रद्द करने की घोषणा करने वाली डब्ल्यूसीएल की प्रेस विज्ञप्तियों की भी समीक्षा भी की गई और उसे भेदभवपूर्ण पाया।" बोर्ड ने आगे कहा कि वह अपने खिलाड़ियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति नहीं दे सकता, जहां "खेल भावना पर पक्षपातपूर्ण राजनीति हावी हो रही हो और जो खेल भावना के मूल तत्व को कमजोर कर रही हो।" गौरततब है कि डब्ल्यूसीएल ने ग्रुप चरण के मैच के रद्द होने के बाद भारतीय टीम से माफी मांग ली थी। डब्ल्यूसीएल ने कहा था, "हम भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए एक बार फिर माफी मांगते हैं और उम्मीद करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हमारा उद्देश्य क्रिकेट प्रेमियों को खुशी के कुछ पल देना था।"

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई । इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले सात टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि इस बार उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी मिल गय है। जिससे अब वह घरेलू क्रिकेट में और बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी करना चाहते हैं।

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

कहा - यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और बंगाली भाषी लोगों का अपमान

कोलकाता। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपित्त जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है। दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को 卐बांग्लादेशी भाषा卐 कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम (सीपीएम) समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि अब देखिए कैसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में दिल्ली पुलिस बंगाली को 'बांग्लादेशी' भाषा बता रही है। बंगाली हमारी मातृभाषा है, रवींद्रनाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की भाषा है, वह भाषा जिसमें हमारा राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत लिखे गए हैं, वह भाषा जिसे करोड़ों भारतीय बोलते और लिखते हैं और वह भाषा जो भारत के संविधान द्वारा पवित्र और मान्यता प्राप्त है, उसे अब बांग्लादेशी भाषा बताया जा रहा है। यह निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और असंवैधानिक है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह भारत के सभी बंगाली भाषी लोगों का अपमान है। वे ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते जो हम सभी को नीचा और अपमानित करे। हम भारत की बंगाली-विरोधी सरकार के खिलाफ कड़े विरोध का आग्रह करते हैं, जो भारत के बंगाली-भाषी लोगों का अपमान करने के लिए ऐसी संविधान-विरोधी भाषा का प्रयोग कर रही है।

बता दें दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली स्थित पश्चिम बंगाल के राजकीय अतिथिगृह को पत्र लिखकर बांग्लादेश से अवैध रूप से आए आठ संदिग्ध व्यक्तियों के 'बांग्लादेशी भाषा' में लिखे दस्तावेज़ों के अनुवाद में सहायता मांगी थी। पुलिस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, इस वजह से इसकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकती है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की मांग की, जिनके मंत्रालय के अंतर्गत दिल्ली पुलिस आती है।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते कहा कि उनकी एक्स पोस्ट को 'एक बुरी तरह से रची राजनीतिक चाल' बताया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी पर भारतीय बंगालियों के लिए 'भय फैलाने की रणनीति' अपनाने और अवैध प्रवासियों को 卐बचाने卐 का आरोप लगाया है।

फिल्म डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-'यह बांग्लादेशी भाषा नहीं हैज्यह बांग्ला या बंगाली है, वही भाषा जिसमें आपका राष्ट्रगान मूल रूप से लिखा गया था और यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।' गायक सुरोजित चटर्जी ने लिखा, 'बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा गया हैज्ठीक इसी तरह की अज्ञानता की मैं जिम्मेदार लोगों से अपेक्षा करता हूंज् बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

भूपेश बघेल और बेटे चैतन्य को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

दोनों को हाईकोर्ट जाने का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को धनशोधन मामले में जांच और गिरफ्तारी से राहत के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रुख करने को कहा है। बता दें कि यह मामला छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले से जुड़ा है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की पीठ, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची, ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि वह इस मामले की शीघ्र सुनवाई करे और दोनों याचिकाकर्ताओं की मांगों पर जल्द निर्णय दे।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे ने यह याचिका दायर की थी कि उन्हें इस मामले में न तो गिरफ्तार किया जाए और न ही ईडी की तरफ से परेशान किया जाए। उन्होंने जांच की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

पीएमएलए कानून को दी गई चुनौती

इसके अलावा दोनों ने यह भी याचिका दाखिल की थी कि धनशोधन निवारण अधिनियम की कुछ धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया जाए, खासकर वे धाराएं जो ईडी को गिरफ्तारी और जांच के लिए शक्ति देती हैं। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस विषय में अलग से नई याचिका दायर की जाए, जिसे 6 अगस्त को शीर्ष अदालत में सुना जाएगा। बता दें कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खुद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने शराब, कोयला और महादेव सट्टा एप घोटालों में नाम सामने आने के बाद अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी।

पंजाब में फर्जी एनकाउंटर केस में 32 साल बाद सजा

रिटायर्ड एसएसपी समेत 5 को उम्रकैद; 7 युवकों की हत्या की थी

मोहाली। पंजाब के तरनतारन में 1993 में हुए फर्जी एनकाउंटर केस में सोमवार को सीबीआई की स्पेशल अदालत ने सजा सुनाई। कोर्ट ने रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, रिटायर्ड डीएसपी दविंदर सिंह समेत 5 पुलिस अफसरों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इन सभी पर हत्या और आपराधिक साजिश की धारा 302 और 120-बी के तहत मुकदमा चला। पहले इस केस में 10 पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया था, लेकिन ट्रायल के दौरान 5 की मौत हो गई।

1993 में 7 युवकों को मुठभेड़ में मरा दिखाया

मामला 1993 का है, जिसमें 7 युवकों को 2 अलग-अलग मुठभेड़ में मरा हुआ दिखाया गया था। जबकि इनमें 4 स्पेशल पुलिस ऑफिसर के पद पर तैनात थे। दोषियों ने युवकों को 27 जून 1993 को उनके घरों से उठाकर कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा और उन पर अत्याचार किए। 28 जुलाई 1993 को तत्कालीन डीएसपी भूपेंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में फर्जी मुठभेड़ को अंजाम दिया गया। तरनतारन में थाना वैरोवाल व थाना सहराली में दो अलग-अलग फर्जी पुलिस मुठभेड़ की स्नङ्कक्र दर्ज की गईं। 7 युवकों को फेक एनकाउंटर में मार दिया। सुप्रीम कोर्ट के 12 दिसंबर 1996 के आदेश के बाद यह केस सीबीआई को सौंपा गया।

सेवा सहकारी समिति दिनी से उर्वरक का प्रयोगशाला जांच के लिए लिया गया सेम्पल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी क्षेत्र के कुछ किसानो द्वारा सुपर फास्फेट उर्वरक के पानी में नही घुलने के कारण उसके अमानक या नकली होने संबंधी बात कही जा रही है। इस पर उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने वस्तुस्थिति बताते हुए कहा है कि सुपर फास्फेट उर्वरक तत्काल पानी में नही घुलता है बल्कि इसके घुलने में अधिक समय लगता है। सेवा सहकारी समिति दिनी से सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। इस संबंध में खेतान कम्पनी के उच्च अधिकारियों से भी चर्चा की गई है।

उपसंचालक श्री मालवीय ने बताया कि वे स्वयं भी एक उर्वरक विशेषज्ञ है। आज उनके द्वारा दिनी एवं लिंगमारा जाकर किसानो से इस संबंध में चर्चा भी की गई है। उन्होंने बताया कि सुपर फास्फेट उर्वरक इजिप्ट (मिस्त्र), जार्डन एवं अन्य देशो की माईंस रॉक फास्फेट आयात कर बनाया जाता है। रॉक फास्फेट में प्रोसेसिंग प्लांट के माध्यम से सल्फ्यूरिक अम्ल मिलाया जाता है। इसे दानेदार बनाने के लिए प्लांट में हीट प्रोसेस से गुजारा जाता है। इसमें कैल्शियम सल्फेट भी होता है और यह पानी व मिट्टी मे घुलने में अधिक समय लेता है। सिंगल सुपर फास्फेट में 15 प्रतिशत फास्फोरस एवं 11 प्रतिशत सल्फर होता है। यह तत्व पानी में घुलनशील होता है और मिट्टी में जाकर घुल जाता है तथा पौधो द्वारा शोषित कर लिया जाता है।

सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक को जब खेतो में छिड़का जाता है तो उर्वरक में मौजूद 15 प्रतिशत फास्फोरस और 11 प्रतिशत सल्फर धान के पौधो को प्राप्त होता है और उनकी जड़ो द्वारा शोषित कर लिया जाता है। इस उर्वरक में मौजूद कैल्शियम सल्फेट तत्काल पानी मे नही घुलता है बल्कि इसके घुलने में समय लगता है और यह धीरे-धीरे पानी मे घुलता है। यह कैल्शियम सल्फेट की स्वाभाविक प्रकृति है। अत: किसान बिना किसी संकोच के सुपर फास्फेट उर्वरक का अपने खेतो में उपयोग करे और इसके तत्काल पानी मे नही घुलने संबंधित जानकारी से परेशान न हो। इस उर्वरक में मौजूद पोषक तत्व पानी मे घुलकर पौधो को मिल रहे है और जो नही घुल रहे है वह कैल्शियम सल्फेट व कैल्शियम फास्फेट है। इसे घुलने में अधिक समय लगता है। अत: इसको लेकर चिन्तित होने की आवश्यकता नही है।

देश में 12 साल बाद सामान्य से 4 प्रतिशत ज्यादा बारिश

नई दिल्ली। यूपी में बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। राज्य के 45 जिलों में बाढ़ आ गई है। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में 12वीं तक के सभी स्कूल बंद हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान, राज्य में बारिश से 12 लोगों की मौत हो गई है।

उत्तराखंड में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। भूस्खलन से रुद्रप्रयाग में दो दुकानें मलबे में दब गईं। देहरादून में स्कूल बंद कर दिए गए। कई नदियां उफान पर हैं। सरकार ने अलर्ट जारी कर प्रशासन को सतर्क रहने को कहा है।

मध्य प्रदेश में कई इलाकों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। राज्य में 16 जून को मानसून की एंट्री के बाद से जुलाई तक, बाढ़ के दौरान हुए हादसों में अब तक 275 लोगों की जान जा चुकी है। सरकार ने विधानसभा में यह आंकड़े बताए हैं।

बिहार में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। राज्य में सोमवार को पटना समेत सभी 38 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और बिजली गिरने की भी आशंका है।

निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, इस साल देश में 12 साल बाद लगातार दो महीने सामान्य से 4.1 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। जून में 9 प्रतिशत तो जुलाई में 5 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। 2013 के बाद यह पहला मौका है, जब जून और जुलाई में लगातार सामान्य से ज्यादा बारिश हुई।

5 वर्षों में 7.08 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है, इसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े साझा किए। सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया गया है।

सरकार ने लोकसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2025 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला। इनमें आधे से अधिक या 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे। इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया। इसमें 36,374 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी।

वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला। ये 24,140 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी दावे से जुड़े थे। वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2021 में जीएसटी चोरी क्रमश- 73,238 करोड़ रुपये और 49,384 करोड़ रुपये रही। इसमें क्रमश- 28,022 करोड़ रुपये और 31,233 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है। पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 91,370 मामलों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कुल जीएसटी चोरी पकड़ी गई।

बदहाल सड़क: रोटी-बेटी का नहीं हो रहा रिश्ता

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी के अंतिम छोर के पठार इलाके की ग्राम पंचायत महकेपार से हेटी के बीच का कच्चा मार्ग आजादी के 78 वर्षों बाद भी निर्माण की बाट जोह रहा है. बारिश के बाद इस सड़क मार्ग पर साईकिल, मोटरसाईकिल चलाना तो दूर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है. महकेपार से हेटी के बीच का मार्ग खस्ताहाल होने की वजह से बड़ी देवरी, चिटका देवरी, देवरी खुर्द के ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाईयों को सामना करना पड़ रहा है. बारिश के बाद इन गांवों के बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है. गांव के मरीज अस्पताल नहीं जा पाते और संजीवनी 108 इन गांवों में नहीं आ पाती. बदहाल सड़क ने ग्रामीणों का बाजार और अन्य जरूरी जगहों तक पहुंचना बेहद मुश्किल कर रखा है. सड़क की बदहाली की वजह से इन गांवों में कोई रोटी-बेटी का रिश्ता तक नहीं करना चाहता. यह दावा गांव की एक महिला ने किया है. पक्की सड़क नहीं होने के कारण आदिवासी बाहुल्य बड़ी देवरी, चिटका देवरी, देवरी खुर्द का विकास रूका हुआ है. इन गांवों के लोग बेहतर सुविधाओं की तलाश में अपने गाँव को छोड़कर शहर की ओर पलायन करने तक के लिए मजबूर है. यहां के लोग पंचायत से लेकर विधायक और लोकसभा चुनाव में मतदान करते है लेकिन मतदान के बावजूद एक नागरिक को जो मूलभूत सुविधाएं चुनी हुई सरकार के द्वारा दी जानी होती है. वह इन गांवों के ग्रामीणों को नहीं मिल रही है. जनप्रतिनिधि केवल चुनाव के दौरान वोट मांगने आते है और अधिकारी कभी भी इन गांवों में ढांककर नहीं देखते.

जीवन के अधिकार का हो रहा हनन

गौरतलब हो कि देश की सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षित, वाहन योग्य और सुव्यवस्थित सड़कों तक पहुंच संविधान के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का एक अनिवार्य हिस्सा है. सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी की दृष्टि से देखा जाए तो पठार अंचल के आदिवासी बाहुल्य तीन गांवों में निवास करने वाले ग्रामीणों के अधिकारों का सरासर हनन हो रहा है. मध्य प्रदेश राज्य में करीब 02 दशक से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है जो अन्त्योदय का दावा करती है. अंत्योदय का मुख्य लक्ष्य गरीबी को खत्म करना और सभी नागरिकों के लिए बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है. मगर, पठार अंचल के ग्राम बड़ी देवरी, चिटका देवरी, देवरी खुर्द की सड़क की हालत बता रही है कि सरकार का यह दावा झूठा है.

जनपद और जिला पंचायत सदस्य के पास नहीं बड़ी धनराशि

इन गांवों की जनता सड़क का निर्माण होगा इसी उम्मीद के साथ हर बार और हर चुनाव में मतदान करती है. सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य से लेकर विधायक और सांसद के चुनाव के दौरान हर प्रत्याशी ग्रामीणों को यह भरोसा दिलाता है कि अगर वह चुनाव जीतकर आते है तो सड़क का निर्माण होगा. ग्रामीणों को जिस पर अधिक विश्वास होता है वह उसे मतदान करते है. चुनाव होने पर जो सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य जो जीतकर आते है वह फंड नहीं होने और उनके स्तर का कार्य नहीं होने की बात कहते हुए ग्रामीणों को समझाइश देते है जबकि विधायक और सांसद दोबारा इन गांवों में नहीं जाते. बता दें कि जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रियंका परते चिटका देवरी की निवासी है उन्हें यह उम्मीद थी कि उनके जिला पंचायत सदस्य बनने के बाद शायद वह अपने गांव की पक्की सड़क बना पाएगी. बताया जाता है कि वह कई बार जिला पंचायत की बैठक में इस सड़क का मुद्दा उठा चुकी है लेकिन कोई सफलता नहीं मिला है. जनपद सदस्य प्रतिनिधि विश्वनाथ नेवारे बताते है कि सड़क की हालत खराब होने के कारण ग्रामीणों ने उनका जीना दुश्वार कर रखा है. जैसे ही इन गांवों में भ्रमण पर निकलो लोग सवालों की झड़ी लगा देते है एक ही सवाल पूछते है सड़क कब बनेगी.

8 किमी के फेरे से मिलती है बचत

ज्ञात रहे कि महकेपार बड़ी देवरी, चिटका देवरी, देवरी खुर्द से होकर हेटी गांव जाने में 08 किमी का अतिरिक्त फेरा बचता है. अगर महकेपार से गोरेघाट होकर आवागमन किया जाता है तो यह सफल 15 किमी. का है जबकि देवरी के रास्ते से होकर जाने में यह सफल करीब 7 किमी का ही होता है. ऐसे में ग्रामीण लंबी दूरी तय करने की बजाय कम दूरी वाले रास्ते से आवागमन करना अधिक उचित समझते है लेकिन बारिश के दिनों में यह मार्ग बंद हो जाता है केवल ग्रामीण ही मजबूरी में आवागमन करते है. बड़ी देवरी, चिटका देवरी के ग्रामीण महकेपार और देवरी खुर्द के ग्रामीण गोरेघाट पर आश्रित है. मगर, दोनों ही तरफ आवागमन का रास्ता बेहद खराब है.

प्रख्यात साहित्यकारों की जयंती पर साहित्यकार सम्मेलन सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास, प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद और मैथिलीशरण गुप्त की जयंती के अवसर पर साहित्य संस्था सहमत और हिन्दी साहित्य भारती के संयुक्त तत्वाधान में साहित्यकार सम्मेलन,एंव निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगरपालिका बालाघाट के सभागार में आयोजित प्रतियोगिता में काव्य सृजन में सुखदेव, तो निबंध प्रतियोगिता में कु शिवानी ने पहला स्थान प्राप्त किया।इनके अलावा द्वितीय, व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों सहित अन्य को नगद राशि,स्मृति चिन्ह प्रमाण पत्र, व संतावना पुरस्कार देकर समानित किया गया।काव्य रचना प्रतियोगिता में 18 वर्ष से अधिक के प्रतिभागियो ने भाग लेकर एक से बढ़कर एक रचनाओ की प्रस्तुति दी।जहां 25 में से 15 प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया गया।जिन्होंने विभिन्न रसो में रचित स्वयं की कविताओं का पाठन कर जमकर तालिया बटोरी।प्रथम सत्र में तुलसीदास जी पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के प्रतिभागियो हिस्सा लिया।द्वितीय सत्र में काव्य सृजन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।इन दोनों ही प्रतियोगिताओ में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर प्रथम ,द्वितिय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को क्रमश: 3100, 2100, 1100 रु का नगद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र दिया गया। वही अन्य प्रतिभागियों को सन्तावना पुरस्कार के रूप में 501 रु व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इन्हें किया गया सम्मानित

आयोजित निबंध प्रतियोगिता में शा.क.उ मा. वि बिरसा कक्षा 11वीं की छात्रा कु. शिवानी रहांगडाले ने 50 में से 46 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। तो वही शा.उ मा. वि धनसुआ बालाघाट कक्षा 11वीं के छात्र साहिल पांचे 50 में से 45 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। तो वही सांदीपनि उ मा.वि कटंगी कक्षा 12वीं की छात्रा कु. रेणुका सोनवाने ने 43 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा ओजस ग्लोबल विद्यालय बालाघाट कक्षा 12वीं की छात्रा कु.चहक पटले, सांदीपनि उ मा वि रजेगांव कक्षा 10वीं के छात्रा कु स्मृति कावरे और उत्कृष्ट उ.मा.वि. बालाघाट कक्षा 11वीं के छात्र समीर मान्द्रे को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। इसी तरह दूसरे सत्र काव्य सृजन प्रतियोगिता में अपनी रचना और उसकी

बेहतरीन प्रस्तुति के बल पर दर्शक श्रोताओं की जमकर तालियां बटोरने वाले रचनाकार सुखदेव रहांगडाले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तो वही ईश्वरी सातपुते दूसरे स्थान पर रहे। तो वही संजय कुमार पटले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा काव्य सृजन प्रतियोगिता में रामप्रसाद लिल्हारे और ईशा मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। जहां दोनों ही प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय,व तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को क्रमश: 3100,2100 और 1100 रु का नगद पुरस्कार व सांत्वना पुरस्कार के रूप में चयनित प्रतिभागियों को 501 रुपए का नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र, व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। काव्य सृजन प्रतियोगिता में डॉ. प्रिया शर्मा निर्णायक की भूमिका में नजर आई।जबकि निबंध प्रतियोगिता में डॉ सतीश चले और आर.एस बैस निर्णय की भूमिका में शामिल रहे।

दीप प्रज्वलित कर की गई कार्यक्रम की शुरुवात

कार्यक्रम की शुरुवात रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास, प्रख्यात साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद और मैथिलीशरण गुप्त के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर की गई।इस दौरान मुख्य अतिथि अभय सेठिया चेबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि महेंद्र सुराना उपाध्यक्ष व्यापारी संघ मप्र, सत्यनारायण अग्रवाल पूर्व भाजपा अध्यक्ष, राकेश जैन देवड़िया समाजसेवी कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ रामकुमार रामारिया कार्यक्रम संयोजक सुभाष गुप्ता हिन्दी साहित्य भारती प्रदेश अध्यक्ष एवं सहमत अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ल सहज, हिन्दी साहित्य भारती जिला अध्यक्ष बालाघाट अशोक सागर मिश्र उपस्थित रहे। मंच संचालन श्रीमती शालू गाँधी द्वारा किया गया।शाम 4 बजे तक चले प्रथम सत्र के बाद द्वितीय सत्र काव्य मंत्र सत्र में मुख्य अतिथि डॉ रामकुमार रामारिया पूर्व प्राचार्य महाविद्यालय तिरोड़ी डॉ सतीश चिले पूर्व प्राचार्य महाविद्यालय सिवनी, रविंद्र सिंह बैस पूर्व प्राचार्य एम एल बी एवं डॉ प्रिया शर्मा व्यख्याता सांदीपनी विद्यालय वारासिवनी उपस्थित रहीं। सत्र का सफल संचालन सुश्री अलका चौधरी अनमोल द्वारा किया गया। तृतीय सत्र अभिव्यक्ति आचार्य बलवंताचार्य जी की अध्यक्षता पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के मुख्य आतिथ्य तथा पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी वर्तमान नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, प्रमुख शिक्षाविद वरिष्ठ नेत्री श्रीमती लता एलकर, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य सुश्री मौसम बिसेन, वरिष्ठ पत्रकार सोहन वैद्य, वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ कदम संस्था की अध्यक्ष डॉ अर्चना शुक्ला, पूर्व भाजपा अध्यक्ष सत्य नारायण अग्रवाल प्रसिद्ध व्यवसायी कमलजीत छाबड़ा, हिन्दी साहित्य प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र शुक्ल सहज, आकाशवाणी कार्यक्रम अधिकारी कुंवर विक्रम सिंह, धीरज कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस सत्र में अर्चना गुप्ता द्वारा रचित पुस्तक जीवन की सच्चाईयां का भव्य विमोचन, मुखपृष्ठ अनावरण एवं लोकार्पण सम्पन्न हुआ। राजेश गाँधी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस सत्र का शानदार संचालन सुनील दीपानी ने किया।वही देर शाम सुरुचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्य विभाजन का 6 अगस्त से तहसीलदार करेंगे विरोध

प्रदेश संगठन के आवाहन पर जिले के तहसीलदार भी अनिश्चित समय तक रहेंगे कार्य से विरत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी संघ द्वारा प्रदेश स्तरीय आवाहन पर राजस्व अधिकारियों के किए गए कार्य विभाजन का प्रदेश सहित जिले के तहसीलदार भी विरोध कर रहे हैं। जिसमें तहसीलदारों की मांग है कि राजस्व अधिकारियों के कार्य विभाजन की योजना बनाई गई है, उसे संशोधित करने की मांग की हैं । मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव के नाम, कलेक्टर मृणाल मीणा को ज्ञापन सौंपकर, कलेक्टर के जारी आदेश को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग की और मांग पूर्ण नहीं होने पर 6 अगस्त से अनिश्चितकालीन कार्य से विरत रहने की बात कही है।

आपको बता दे कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजस्व प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एकीकृत व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ सौंपी गई हैं । न्यायालयीन कार्य कर रहे अधिकारी पूर्ववत राजस्व न्यायालय संचालन का दायित्व निभाएंगे, जबकि शेष अधिकारी कानून व्यवस्था, राजस्व योजना, प्रोटोकॉल, राजस्व सर्वेक्षण एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य राजस्व न्यायालय के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करना तथा राजस्व सेवा के न्यायिक एवं गैर-न्यायिक कार्यों के मध्य स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित करना है। शासन द्वारा इसे प्रभावीय रूप से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश सभी जिलों को प्रेषित कर दिए गए हैं। उसके बाद से ही प्रदेश स्तर पर ही इस पूरी बनाई गई व्यवस्था का विरोध किया जा रहा है । प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर पर राजस्व अधिकारी इस विषय को संसोधित की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में 04 अगस्त को बालाघाट में भी प्रदेश स्तर के संगठन के आवाहन पर राजस्व अधिकारियों द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जहां राजस्व अधिकारियों ने बताया कि आज जिस प्रकार की यह पूरी योजना बनाई गई है उसमें सही मापदंड और सही योजना बनाकर कार्य नहीं किया गया है । आज भी जिला स्तर पर बहुत सी कमियां है। संसाधनों का अभाव है । ऐसी स्थिति में यदि इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा , तो उन्हें बहुत दिक्कत होगी। वह चाहते हैं कि इस व्यवस्था को लागू करने से पहले व्यवस्थाएं बना ली जाए और उसके बाद ही इस प्रणाली को लागू किया जाए ।

अनिश्चित समय के लिए कार्य से रहेंगे विरत

बालाघाट तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार और प्रभारी खैरलांजी तहसीलदार छवि पंद्रे ने बताया कि न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्यो का विभाजन सही नहीं है, चूंकि, जब हमने, इस पद पर भर्ती हुए है तो हमने न्यायिक और गैर न्यायिक कार्यो की ट्रेनिंग ली है, जिससे हम सभी को उन कार्यो को करने का समान अवसर मिलना चाहिए। यदि इस व्यवस्था में संशोधन नहीं किया जाता तो वह प्रदेश संगठन के आवाहन अनुसार 6 अगस्त से अनिश्चित समय के लिए कार्य से विरत रहेंगे।

कार की ठोकर से एक व्यक्ति घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । कोतवाली क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम भटेरा चौक में कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी ।कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया ।घायल व्यक्ति राजेश पिता हिसबलाल बसेने 35 वर्ष ग्राम भटेरा बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया । बताया गया है कि राजेश बसेने मजदूरी करता है। 4 अगस्त को राजेश बसेने मोटरसाइकिल में अपने घर से बालाघाट बाजार खरीदारी करने के लिए जा रहा था। तभी बालाघाट लामता रोड भटेरा चौक में राजेश बसेने अपनी मोटरसाइकिल के पास खड़ा था। तभी समनापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। जिससे राजेश बसेने सर कंधे में चोट लगने से घायल हो गया। घायल राजेश बसेने को उसके चाचा सुरेश बम्बूरे ने अपनी मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर इलाज करवाये। जिला अस्पताल पुलिस ने राजेश बसेने का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है। कार का नंबर एमपी 50 जेड ई 8671 बताया गया है ।कोतवाली पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
कंप्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
ऑफिस ब्वाय- 01 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता- वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
संपर्क करें- मोबाईल नंबर 9584968038

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

बकरी के द्वारा खेत की फसल चरने का विवाद

एक व्यक्ति ने एक महिला से की मारपीट तो इस महिला ने अपने भाई भाभी के साथ मिलकर उस व्यक्ति की कर दी पिटाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेत में फसल चराने के विवाद को लेकर जहां एक व्यक्ति ने एक महिला को जान से मार डालने की धमकी देते उसे हाथ बुक्के मारपीट कर दिया वही इस इस इस महिला ने अपने भाई भाभी के साथ मिलकर इस व्यक्ति को हाथ बुके से मारपीट कर उसकी चप्पल से पिटाई कर दी। 3 अगस्त को सुबह 8ः00 बजे करीब यह घटना बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम केन्डाटोला में हुई। बिरसा पुलिस ने इस मामले में जलसा बाई पिता जगत परते 34 वर्ष रखी गई रिपोर्ट पर हरे सिहपिता सदगु धुर्वे 50 वर्ष और इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर जलसा बाई पिता जगत परते के भाई साधु पिता जगत परते और भाभी प्रमिला बाई पति साधू परते के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आप में अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम केन्डाटोला निवासी हरि सिंह धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके खेत के पास साधु परते का खेत है। साधु परते भी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। हरेसिह धुर्वे ने अपने खेत में धान की फसल के अलावा बरबटी भिंडी मुंगा एवं आम के पौधे लगाए हैं। हरे सिह धुर्वे के खेत की बरबटी भिंडी मुंगा एवं आम के पौधों को खा गई थी। 3 अगस्त को सुबह 8ः00 बजे साधु परते की बहन जलसा बाई परतेअपने घर की बकरी खेत तरफ रोड से ले जा रही थी। तभी राजकुमार के खेत के पास जलसा बाई बकरी को लेकर पहुंची थी तभी हरि सिंह धुर्वे अपने खेत तरफ से आ रहा था जिसने जलसा बाई को को रोक कर और बोला कि तुमने अपनी बकरी से मेरे खेत की बरबटी भिन्डी मूंगा और आम के पौधे चराई है। किंतु जलसा बाई ने उसे बोली की मेरी बकरी ने बरबटी भिंडी मूंगा और आम के पौधे नहीं चरी है। यह सुनते ही हरे सिंह धुर्वे आवेश में आ गया और जलसा बाई को अश्लील गालियां देने लगा और उसके बाल पड़कर हाथबुक्के उसके से पीठ गरधन में मारने लगा जलसा बाई के चिल्लाने पर उसके भाई साधु परते और भाभी प्रमिला परते सहित अन्य लोग दौड़े। तभी जलसा बाई ने अपने भाभी प्रमिला और भाई साधु के साथ मिलकर हरे सिंह को हाथ बुक्के से मारपीट कर उसकी चप्पल से पिटाई भी कर दी और बकरी द्वारा पौधों को खाने की बात करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस मारपीट में जलसा बाई परते और हरे सिंह धुर्वे को चोंटे आई। और दोनों रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचे बिरसा पुलिस ने दोनों का इलाज मुलाहिजा अस्पताल में करवाए। बिरसा पुलिस में जलसा बाई पिता जगत परते 34 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर हरे सिंह पिता सद्गु धुर्वे के मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 126 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया है और इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर जलसा बाई पिता जगत परते उसके भाई साधु पिता जगत परते और भाभी प्रमिला पति साधू परते के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में 296 115(2) 351(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट